आज का विचार

यह जो मां की मोहब्बत होती हैं ना, यह सब मोहब्बतों की मां होती हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

2

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 4 फरवरी, 2025 वर्ष 23, अंक 31, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

ऐसे रोंदू और कायर नेता नहीं देखे: प्रियंका गांधी ने मोदी और केजरीवाल पर साधा निशाना

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पार्टी नेता सोनिया गांधी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करने का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को लेकर रविवार को पलटवार किया और कहा कि इसे चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास महंगाई और बेरोजगारी की समस्याओं से जूझ रहे लोगों का अपमान है।

प्रियंका गांधी ने मोदी और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे रोंदू नेता और उनसे बड़े कायर नेता नहीं देखे हैं। कांग्रेस महासचिव ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद मुर्मू के बारे में सोनिया गांधी की टिप्पणी का मुद्दा उठाने के लिए रविवार को मोदी की आलोचना की। प्रियंका ने कहा, उस दिन मोदी जी ने मेरी मां के बारे में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति का अपमान किया है। उन्होंने किस तरह का मुद्दा उठाया? एक बुजुर्ग महिला दूसरी बुजुर्ग महिला के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए कह रही है कि बेचारी राष्ट्रपति जी थक गई होंगी एक घंटे का भाषण उनको पढ़ना पड़ा।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, उन्होंने इसे चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास किया और कहा कि यह अपमान है। आप देश के लोगों का अपमान कर रहे हैं जो महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, उन्हें पेंशन नहीं मिल रही है और सफाई कर्मचारी परेशान हैं और आप ये बेकार की बातें कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने लोगों से नेताओं को वास्तविक मुद्दों पर बात करने के लिए मजबूर करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के तुरंत बाद, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा संसद परिसर में भाषण पर चर्चा करते देखे गए थे। उस समय का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था जिसमें सोनिया गांधी को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया, बेचारी, राष्ट्रपति, अंत तक बहुत थक गई थीं...बेचारी, वह मुश्किल से बोल पा रही थीं। मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उसके शाही परिवार पर आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले राष्ट्रपति मुर्मू का अपमान करने का आरोप लगाया और इसके लिए माफी की मांग की।

प्रियंका गांधी ने कहा कि उनके पिता राजीव गांधी लोगों के बीच जाते थे और काम पूरा न होने पर डांट खाते थे। उन्होंने पूछा कि क्या मौजूदा प्रधानमंत्री के साथ ऐसा किया जा सकता है। वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को डांटने की कोशिश करो और आपको जेल में डाल दिया जाएगा। मैंने देखा है कि उत्तर प्रदेश में कुछ महिला मित्रों को प्रदर्शन के लिए पीटा गया। उन्होंने कहा कि यह आज का समय है और यह देश का स्वभाव नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, हमने आजादी पाने के लिए एकजुट होकर लड़ाई लड़ी। ये कौन से लोग हैं जो मोदी की विचारधारा से जुड़े हैं? प्रियंका गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई जेल से खुद को आजाद कराने के लिए पत्र लिख रहा था। वह कह रहा था हमें जेल से बाहर निकालो, हम वही करेंगे जो आप कहेंगे, हम आपके गुलाम हैं। कोई व्यक्ति अंग्रेजों की मदद कर रहा था।

प्रियंका गांधी ने कहा, उन्होंने आपकी आजादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी और इसलिए वे इस देश की प्रकृति को समझने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन देश की जनता जाग जाएगी, ये लोग ज्यादा दिन तक सत्ता में नहीं टिक पाएंगे। उन्होंने कहा, हम संविधान के बारे में क्यों बात करते रहते हैं? (क्योंकि) यह आपका सुरक्षा कवच है, इसने आपको समान अधिकार दिए हैं, आपके पास प्रधानमंत्री के समान वोट है, यह आपको आरक्षण देता है, यह आपको ताकत देता है। इसलिए, इस संविधान की रक्षा करें और बदले में, यह आपकी रक्षा करेगा। प्रियंका गांधी ने पार्टी उम्मीदवार हाजी मोहम्मद इशराक के लिए बाबरपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी अक्सर नेहरू को दोषी ठहराते हैं जबकि केजरीवाल मोदी को दोषी ठहराते हैं।

उन्होंने कहा, मोदी जी कहते हैं कि नेहरू जी की वजह से बहुत सारे काम रुके हुए हैं। जो काम वो नहीं कर पाते हैं, उसका बहाना बनाकर तुरंत नेहरू जी को दोषी ठहरा देते हैं। केजरीवाल कहते हैं कि मोदी जी की वजह से वह काम नहीं कर पा रहे हैं। मैंने ऐसे रोंदू नेता नहीं देखे हैं। उनसे बड़े कायर नहीं देखे हैं। प्रियंका ने कहा, इंदिरा गांधी की पोती हूं, मैंने उन्हें पाकिस्तान को दो हिस्सों में तोड़ते देखा है। मुझे उनकी (मोदी और केजरीवाल की) कायरता पर हंसी आती है कि वे इतनी छोटी सी जिम्मेदारी भी नहीं उठा पा रहे हैं कि वे आपके लिए सड़कें और अस्पताल बनवा सकें। नेहरू जी ने एम्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बनवाए। उन्होंने क्या बनाया।याद रखें कि जो व्यक्ति काम करता है, वह अपनी तारीफ नहीं करता। मैंने इसे कल संसद में बजट भाषण के दौरान देखा। प्रियंका ने कहा, उन्होंने कर की दरों में बदलाव किया और मोदी जी बेतहाशा मेज पीट रहे थे। मैं सोच रही था कि आपने काम किया है तो केवल आप ही ताली बजा रहे हैं, कम से कम दूसरों को तो ताली बजाने दें। उन्होंने पूछा, पूरे बजट भाषण में महंगाई का कोई जिक्र नहीं हुआ। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये लोग आपसे कटे हुए हैं। क्या मोदी कोविड के दौरान तब बाहर आए और लोगों के कल्याण के बारे में पूछा, जब वे सड़कों पर मर रहे थे? प्रियंका ने कहा, वह केवल चुनावों में ही नजर आते हैं और जब चुनाव नहीं होते हैं तो वह अमेरिका, चीन, जापान, अफ्रीका और बड़े यूरोपीय देशों में राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से मिलते, गले मिलते और हाथ मिलाते हुए नजर आते हैं।

प्रदेश में अब तक 15 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज बने: नायब सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपमंडल नारायणगढ़ का किया दौरा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से आज उपमंडल नारायणगढ़ के रेस्ट हाउस में प्रेस एसोसिएशन नारायणगढ़ तथा पत्रकार मंच नारायणगढ़ से जुड़े मीडिया प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने नारायणगढ़ के मीडिया प्रतिनिधियों की सराहना करते हुए कहा कि आप लोगों का मुझे सदैव सहयोग मिला है। अपने राजनैतिक कैरियर के संघर्ष के दिनों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहाँ के मीडिया साथियों का उन्हें भरपूर सहयोग और समर्थन मिला है।इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को भी सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए सरकार ने अनेक योजनाओं को लागू किया है। जनता को इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन जनता की समस्याओं को सुनें और तत्परता से उनके निदान के लिए कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने नारायणगढ़ के युवा पत्रकारों से कहा कि वे अपने वरिष्ठ पत्रकारों से मार्गदर्शन ले और सकारात्मक सोच के साथ जनता से जुडी खबरों को प्रकाशित करें। उन्होने कहा कि उनका सदैव प्रयास रहेगा कि नारायणगढ़ क्षेत्र विकास की बुलंदियों को छुए। नारायणगढ़ उपमण्डल में खेल स्टेडियम, हॉकी का एस्टोटर्फ, बागवानी का रिजनल सैंटर एवं कालेज, राजकीय महिला महाविद्यालय शहजादपुर, अधिकतर गांवों में कम्यूनिटी सैंटर, गांव डेरा में बिजली का पावर हाउस, कई पुल व सडके आदि कार्य करवाये जा रहे हैं। इन सुविधाओं के पूरा होने पर इलाके के लोगों को इनका फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिला में एक-एक मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा और अब तक 15 जिलों में मेडिकल कॉलेज बन गये है तथा शेष जिलों में आगामी समय में मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो जाएंगे, इससे प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस को सख्त आदेश दिये गये हैं। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर कानून अनुसार सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि नशे को रोकने के लिए भी मानस पोर्टल लांच किया गया है जिस पर कोई भी व्यक्ति नशा तस्करों एवं नशा बेचने वालों से जुड़ी सूचना दे सकता है। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, सीएम के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे सहित उपमंडल के पत्रकार मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली वालों के साथ धोखा किया: अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा में आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि देशभर में एक ही शिक्षा मंत्री है, जो शराब घोटाला मामले में जेल गया है। शिक्षा मंत्री का काम होता है, बच्चों को शिक्षा देना, स्कूल बनाना, शिक्षकों का कल्याण करना, नए कॉलेज बनाना। ये सब तो कुछ उन्होंने किया नहीं, बल्कि दिल्ली में गली-गली में शराब की दुकानें खोल दी हैं।

जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि 10 वर्षों तक अनेक वादे कर केजरीवाल और उनके चट्टे-बट्टों ने दिल्ली को क्या दिया? भ्रष्टाचार दिया, कूड़ा कचरा दिया, जहरीला पानी दिया और तुष्टिकरण दिया। इन्होंने दिल्ली को धोखा दिया है।

राहुल का राजनीतिक झूठ राष्ट्र के लिए नुकसानदायक : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी की टिप्पणी को झूठ करार देते हुए कहा है कि उनकी राजनीतिक टिप्पणी विदेश में राष्ट्र को नुकसान पहुंचाती है। जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण के बारे में उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर चर्चा नहीं की गई। यह सामान्य ज्ञान है कि प्रधानमंत्री इस तरह के आयोजनों में शामिल नहीं होते हैं। वास्तव में भारत का प्रतिनिधित्व आम तौर पर विशेष दूत करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जानबूझकर दिसंबर-2024 में उनकी अमेरिकी यात्रा के बारे में एक झूठ बोला है। वे तत्कालीन बिडेन प्रशासन के विदेश मंत्री और एनएसए से मिलने गये थे। इसके अलावा एक बैठक भी थी। अपने प्रवास के दौरान नए बनने जा रहे एनएसए ने उनसे मुलाकात की।

दिल्लीवाले आप-दा सरकार को 8 फरवरी को झाड़ू लगाकर बाहर फेंकने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि वे यमुनाजी के पानी को साफ करेंगे। केजरीवाल ने तो यमुनाजी को स्वच्छ नहीं किया, लेकिन दिल्ली में भाजपा की सरकार बना दीजिए, तीन साल में हम यमुना रिवर फ्रंट बनाने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी वाले कह रहे हैं कि भाजपा आएगी तो सारी गरीब कल्याण की योजनाएं बंद हो जाएंगी, जबकि मोदी ने वादा किया है कि गरीब कल्याण की एक भी योजना बंद नहीं होगी। इसके अलावा दिल्ली की हर गरीब महिला को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देगी और होली व दीपावली पर दो सिलेंडर मुफ्त दिये जाएंगे। 10 लाख तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा और हर झुग्गी-झोपड़ी को मालिकाना हक देने का काम किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाएंगे। केजरीवाल, राहुल बाबा, अखिलेश, ममता इन सभी ने विरोध किया और कहा कि अनुच्छेद 370 हटाओगे तो कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। खून की नदियां छोड़ो किसी की पत्थर चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है, जो कहती है वो करती है। मोदी की गारंटी मतलब पत्थर पर खींची लकीर।

विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में जोड़े गए हिमाचल जितने मतदाता

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कथित तौर पर बड़ी संख्या में मतदाता जोड़े जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के बीच हिमाचल प्रदेश की आबादी जितने मतदाताओं को महाराष्ट्र की मतदाता सूची में जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में पांच साल में इतने मतदाता नहीं जुड़े जितने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच के समय में जोड़े गए हैं।शिरड़ी की एक बिल्डिंग में 7 हजार मतदाताओं का पंजीकरण हुआ है।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि इसमें कुछ नया नहीं था। उन्हीं बातों को दोहराया गया है जिन्हें पहले भी कहा जाता रहा है। राहुल ने चुनाव आयोग की चयन प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए और कहा कि आने वाले दिनों में चुनाव आयुक्त को तय किया जाना है और उन्हें लगता कि वे केवल समिति की बैठक में भाग ही ले पाएंगे, भागीदारी नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि वे आरोप नहीं लगा रहे, सिर्फ सवाल पूछ रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों की मतदाता सूची प्रदान करे। उन्हें लगता है कि ज्यादातर मतदाता उन क्षेत्रों में जोड़े गए जहां भाजपा हारती रही है।

राहुल ने अपने भाषण की शुरूआत में वैज्ञानिक प्रगति का विषय उठाया और कहा कि इस देश का भविष्य भारत के युवा तय करेंगे। आने वाले समय में बैटरी, इलेक्ट्रिक मोटर और ऑपटिक्स जैसे क्षेत्रों में रिवोल्यूशन ला रहे हैं। इससे दुनिया बदल रही है। इसका भागीदार बनने के लिए देश में इनका बड़े स्तर पर उत्पादन होना चाहिए।चीन इस मामले में हमसे आगे है।

भोर के साढ़े तीन बजे से कुंभ मेला क्षेत्र की जानकारी लेते रहे योगी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसंत पंचमी के अवसर पर सोमवार को भोर के साढ़े तीन बजे से ही अपने सरकारी आवास पर स्थिति वार रूम से कुंभ मेला क्षेत्र पर नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री के साथ वार रूम में प्रदेश के डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ बसंत पंचमी के अमृत स्नान का लगातार अपडेट लेते रहे एवं आवश्यक निर्देश भी देते रहे। मौनी अमावस्या पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बाद मेला प्रशासन के साथ ही

पीएम मोदी से पहले प्रयागराज पहुंचेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ में मुख्यमंत्री समेत शासन के अधिकारी भी मेला पर नजर बनाए हुए हैं। सभी जिम्मेदार अधिकारी अखाड़ों का स्नान के साथ अन्य श्रद्धालुओं के स्नान को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मुस्तैदी से लगे हुए हैं। मुख्यमंत्री की सजगता की वजह से मेला क्षेत्र में तैनात अधिकारी भी डटे हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने महाकुंभ में 40 से 45 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का अनुमान लगाया था। कुंभ में श्रद्धालुओं के स्नान का आंकड़ा 35 करोड़ पार गया है। बसंत पंचमी के अवसर पर सोमवार को दोपहर 12 बजे सवा करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगा ली है। स्नान का सिलसिला जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पांच फरवरी को प्रयागराज दौरे के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कुंभनगर प्रवास पर रहेंगे। शासन के सूत्रों के मुताबिक वह मेला क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे और तैयारियों की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कुंभ में स्नान करने और दर्शन पूजन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

प्रदेश में डिले करप्शन को शून्य करने पर हो रहा काम : सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में ह्यडिले करप्शनह्व को शून्य करने की दिशा में काम किया जा रहा है और इस लक्ष्य के लिए राज्य सरकार विभिन्न प्रक्रियाओं और नियमों में सकारात्मक सोच के साथ सार्थक बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में प्रदेश आत्मनिर्भर राज्य और 2032 में देश का सबसे समृद्धशाली राज्य बनेगा।

मुख्यमंत्री रविवार सायं शिमला में आयोजित हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ के वार्षिक सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा (एचपीएएस) को और सशक्त करेगी। उन्होंने अधिकारियों से सरकार के निर्णयों में भरपूर सहयोग और योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारी सरकार की ताकत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान की चुनौतियों का सामना नई तकनीक और नई सोच के साथ ही किया जा सकता है। सरकार व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ निरंतर प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गठन के बाद आर्थिक, राजनीतिक और प्राकृतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना किया। दृढ़ इरादों और दूरदर्शी नीतियों के फलस्वरूप वर्तमान में हिमाचल हर क्षेत्र में सशक्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार, जल विद्युत, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, डेटा स्टोरेज और कृषि व बागवानी पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही है।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रशासनिक अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि वह दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी सराहनीय सेवाएं प्रदान कर अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर कार्यान्वित करने में सबसे अह्म भूमिका निभाते हैं। सरकार भी कर्मचारियों व अधिकारियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है और उनके हितों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एचपीएएस अधिकारियों की मांगों पर सहानुभूतिर्पूक विचार करेगी और इसके लिए शीघ्र ही उच्च स्तरीय बैठक में विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एचपीएएस अधिकारी संघ के नए लोगो, फ्लैग और स्मारिका का विमोचन भी किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवण मांटा ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और एसोसिएशन की गतिविधियों और मांगों से अवगत करवाया। इस अवसर पर एचपीएएस अधिकारी संघ के सभी सदस्यों ने विद्युत सब्सिडी छोड़ने का निर्णय लिया तथा इस संबंध में फार्म भरकर प्रस्तुत किए।

यह चुनाव दिल्ली की तकदीर और तस्वीर बदलने वाला चुनाव है: जे पी नड्डा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली की बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा में कहा कि यह चुनाव, दिल्ली की तकदीर और तस्वीर बदलने, आप-दा से मुक्ति पाने और विकसित दिल्ली बनाने का चुनाव है। उत्तर पूर्वी दिल्ली की बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एनडीए की 'विशाल जनसभा' में मिल रहा प्रचंड जनसमर्थन यह बता रहा है कि दिल्लीवासी इस 'आप-दा' सरकार से त्रस्त हैं।

सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का वादा कर आई केजरीवाल सरकार विगत एक दशक में दिल्ली को लूटने में कोर-कसर नहीं छोड़ी है। इस सरकार के मंत्री आकंठ घोटालों में डूबे हैं। भ्रष्टाचार, कुशासन व तुष्टिकरण इनकी स्थापित नीति बन गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता दिल्ली में सेवा, सुशासन और विकास की स्थापना के लिए कृतसंकल्पित है।

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संसद में प्रस्तुत बजट में हर वर्ग समेत मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी है। दिसम्बर-2025 तक दिल्ली को 2026 नई इलेक्ट्रिक बसें दी जाएंगी। दिल्ली की बसों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पैनिक बटन लगना था, लेकिन आप-दा सरकार ने नहीं लगाया।

हिमाचल के लिए नाबार्ड से 903.21 करोड़ रुपये की 127 परियोजनाएं मंजूर : सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वार्षिक बजट 2025-26 के लिए विधायकों की प्राथमिकताओं को निर्धारित करने के लिए सोमवार को पहले दिन के पहले सत्र में जिला कांगड़ा, कुल्लू तथा किन्नौर जिलों के विधायकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान नाबार्ड से 903.21 करोड़ रुपये की 127 परियोजनाएं स्वीकृत करवाई जा चुकी हैं, इनमें से 412.75 करोड़ रुपये की 50 विधायक प्राथमिकता योजनाएं लोक निर्माण विभाग तथा 179.07 करोड़ रुपये की 23 विधायक प्राथमिकता योजनाएं जल शक्ति विभाग की हैं।

उन्होंने कहा कि इन स्वीकृत परियोजनाओं में दो राज्य प्राथमिकताएं कांगड़ा जिले के ढगवार में 1.5 एलएलपीडी क्षमता के डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र तथा 96 ईलैक्ट्रिक बस चार्जिंग प्वाईंट की स्थापना भी शामिल है। मार्च माह तक नाबार्ड से और अधिक विधायक प्राथमिकताओं को स्वीकृत करवाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के तहत 1087.77 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.28 प्रतिशत अधिक है।

सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन के संकल्प के साथ वर्तमान सरकार प्रदेश की आम जनता के सर्वांगीण विकास के लिए ईमानदारी से कार्य कर रही है। सरकार ने पिछले दो वर्षों में प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, पर्यटन, आधारभूत ढांचा, कृषि, बागवानी, उद्योग तथा महिला सशक्तिकरण व बाल विकास के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण फैसले किए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार सभी क्षेत्रों एवं समाज के सभी वर्गों के त्वरित, संतुलित, समावेशी एवं सत्त विकास के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मनरेगा दिहाड़ी को 240 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले तीन वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनेक योजनाएं लेकर आएगी, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। राज्य सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं और धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ टी-टूरिज्म को भी बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के टी-टूरिज्म मॉडल का भी अध्ययन किया जाएगा। राज्य सरकार नशा माफिया के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रही है और आने वाले समय में इसमें और तेजी लाई जाएगी।

बैठक में कांगड़ा जिले के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने आदर्श स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना करने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग की। उन्होंने क्षेत्र में एक और अनाज मंडी बनाने की मांग की और कहा कि क्षेत्र में बहुत से किसान गन्ना की खेती से जुड़े हैं और राज्य सरकार की ओर से इन्सेंटिव मिलना चाहिए।

देहरा विधानसभा क्षेत्र की विधायक कमलेश ठाकुर ने कहा कि देहरा क्षेत्र में खुले नए कार्यालय में स्टाफ की नियुक्ति की जाए और लोगों की सुविधा के लिए नए पटवार सर्किल खोले जाएं। उन्होंने स्कूल और कॉलेजों में खेल के लिए आधारभूत ढांचा मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्र के ऐतिहासिक मंदिरों में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की मांग की।

भाजपा का विधायक प्राथमिकता बैठक से किनारा, कांग्रेस सरकार पर लगाए आरोप

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में विपक्षी दल भाजपा ने आज से सचिवालय में शुरू हुईं दो दिवसीय विधायक प्राथमिकता बैठक का बहिष्कार कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में कांग्रेस सरकार पर विधायकों की अनदेखी और विपक्षी विधायकों के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीते दो वर्षों में सरकार की कार्यशैली ने विपक्षी विधायकों को हाशिए पर धकेलने का काम किया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि परंपरा के अनुसार भाजपा विधायक हर साल विधायक प्राथमिकता बैठक में भाग लेते रहे हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में उनकी सिफारिशों पर कोई अमल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमने पीडब्ल्यूडी और आईपीएच विभाग से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता दी लेकिन उनकी डीपीआर तक नहीं बनाई गई। जब डीपीआर ही नहीं बनेगी तो विकास कार्य कैसे होंगे? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार भाजपा विधायकों की योजनाओं को नाबार्ड के समक्ष प्रस्तुत ही नहीं कर रही है। डीपीआर तैयार होने के बावजूद सरकार उन पर अमल नहीं कर रही है और केवल उन्हीं विधायकों की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है जो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के करीबी हैं।

जयराम ठाकुर ने दावा किया कि कांग्रेस के ही कई विधायक भाजपा से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें भी सरकार की नीति से निराशा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब सुक्खू जी विपक्ष में थे, तब विधायक संस्था की गरिमा की लंबी-लंबी बातें करते थे। लेकिन अब वे खुद ही विधायकों की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में विपक्षी विधायक ही नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल के भी कई विधायक उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के गैर-चुने हुए नेता ही विकास योजनाओं को तय कर रहे हैं। हमारे चुने हुए विधायकों को डिप्टी कमिश्नर के माध्यम से फंड स्वीकृत करवाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी के जो लोग चुनाव भी नहीं जीते, वे अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों में भाजपा विधायकों को निमंत्रण तक नहीं दिया जाता जबकि कांग्रेस के गैर-सरकारी नेताओं को विशेष महत्व दिया जा रहा है। ₹स्थानीय विधायक को छोड़कर गैर-निर्वाचित नेताओं को स्कूलों के वार्षिक समारोह और सरकारी आयोजनों में बुलाया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रेम कुमार धूमल का जिक्र करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि उनके कार्यकाल में सभी विधायकों को समान सम्मान और मंच मिलता था। लेकिन सुक्खू सरकार विपक्षी विधायकों को अपमानित करने पर तुली हुई है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि विधायक संस्था की गरिमा को बनाए रखा जाए और सभी विधायकों को समान अवसर दिए जाएं।

सतीश शर्मा ने सोनमर्ग में पहले स्कीइंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

सिटी दर्पण
गांदरबल

शीतकालीन खेलों के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, बर्फ से भरे और सुरम्य गंतव्य सोनमर्ग ने अपने उद्घाटन स्कीइंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की मेजबानी की। कार्यक्रम का उद्घाटन एफसीएस और सीए, परिवहन, युवा सेवा और खेल मंत्री, सतीश शर्मा ने किया। इस अग्रणी पहल ने कश्मीर संभाग के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के स्कूली बच्चों के लिए स्कीइंग की शुरूआत की है। अपने संबोधन में, सतीश शर्मा ने सोनमर्ग के प्राकृतिक आकर्षण की प्रशंसा की और इसे शीतकालीन खेलों की शुरूआत के लिए एक शानदार स्थान बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब तक अज्ञात क्षेत्रों में ऐसे अवसरों की खोज न केवल स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करेगी बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। मंत्री ने यह सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की कि इच्छुक एथलीटों को स्कीइंग प्रशिक्षण मिले जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो और अत्यधिक पेशेवर दृष्टिकोण के साथ दिया जाए। सतीश शर्मा ने स्कीइंग कोर्स के उद्घाटन को एक शुभ शुरूआत बताया और इसे सोनमर्ग को एक प्रमुख शीतकालीन गंतव्य में बदलने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में देखा। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निदेर्शों के अनुरूप, विभाग सोनमर्ग में शीतकालीन खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आष्वासन दिया कि सरकार सोनमर्ग की स्थिति को अगले स्तर तक बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश करेगी।मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि खेल विभाग और जिला प्रशासन गांदरबल सोनमर्ग में खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए तौर-तरीकों पर काम करेंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस कार्यक्रम को वार्षिक कार्यक्रम बनाया जाएगा और हर साल फरवरी महीने में आयोजित किया जाएगा। युवा विकास में खेल की भूमिका को स्वीकार करते हुए, सतीश शर्मा ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में इसके महत्व को रेखांकित किया।

उपायुक्त राजौरी ने सार्वजनिक सेवाओं के वितरण में पीएसजीए का कड़ाई से पालन करने का आह्वान

सिटी दर्पण
राजौरी

उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने सरकारी विभागों द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए अपने कार्यालय में एक बैठक की अध्यक्षता की। उपायुक्त ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आम जनता को असुविधा से बचाने के लिए विभिन्न सेवाओं की मांग करने वाले आवेदनों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाए। उन्होंने पीएसजीए प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया और अधिकारियों को अधिनियम का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से शासन में देरी को कम करने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सक्रिय उपाय करने को कहा। उन्होंने कहा ह्लसभी अनिवार्य सरकारी सेवाएं नागरिकों को निर्धारित समय के भीतर और परेशानी मुक्त तरीके से प्रदान की जानी चाहिए।ह्ल उन्होंने एडीसी, एसडीएम और तहसीलदारों को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करके अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध खनन पर कड़ी निगरानी रखने और उस पर अंकुश लगाने के लिए कहा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सुचारू प्रगति सुनिश्चित करने के लिए बाधाओं की पहचान करने और उन्हें हल करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त-समाचार

दिल्ली चुनावों में सांसद इंदु गोस्वामी ने घर घर जाकर भाजपा के लिए मांगे वोट

धर्मशाला। राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी ने दिल्ली विधान सभा चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में,₹डोर टू डोर₹ अभियान के दौरान आम मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने सोमवार को नई दिल्ली के अनेक विधान सभा क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं और सामान्य मतदाताओं से मुलाकात की और उनसे भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करके दिल्ली में डबल इंजन सरकार बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनने से ही दिल्ली का विकास संभव है।उन्होंने कहा कि दिल्ली और केन्द्र सरकार के बीच बेहतर तालमेल से ही दिल्ली को विश्व स्तरीय राजधानी बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप की सरकार और केन्द्र सरकार के बीच टकराव से दिल्ली की विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन में बांधा उत्पन्न होती है जिससे आम जन मानस को नुकसान पहुंचता है। इंदु बाला गोस्वामी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार आते ही महिलाओं को मानदेय, सस्ता गैस सिलेंडर, कच्ची कॉलोनियों में स्वच्छ पेयजल, निर्विघ्न बिजली आपूर्ति सहित सभी वादों को कार्यान्वित करने के लिए टास्क फोर्स गठित की जाएगी और सभी वायदों को समयबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जाएगा। उन्होंने इस चुनाव में जम कर मतदान करने का अनुरोध किया ताकि भ्रष्ट सरकार को उखाड़ा जा सके और दिल्ली में ईमानदार और पारदर्शी सरकार बनाई जा सके जोकि केन्द्र सरकार से कदमताल करके दिल्ली की समस्याओं का स्थाई समाधान ढूंढ सके।

प्रदेश में डिले करप्शन को शून्य करने पर हो रहा काम : सुक्खू

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में ह्यडिले करप्शनह्ल को शून्य करने की दिशा में काम किया जा रहा है और इस लक्ष्य के लिए राज्य सरकार विभिन्न प्रक्रियाओं और नियमों में सकारात्मक सोच के साथ सार्थक बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में प्रदेश आत्मनिर्भर राज्य और 2032 में देश का सबसे समृद्धशाली राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री रविवार सायं शिमला में आयोजित हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ के वार्षिक सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा (एचपीएएस) को और सशक्त करेगी। उन्होंने अधिकारियों से सरकार के निर्णयों में भरपूर सहयोग और योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारी सरकार की ताकत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान की चुनौतियों का सामना नई तकनीक और नई सोच के साथ ही किया जा सकता है। सरकार व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ निरंतर प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गठन के बाद आर्थिक, राजनीतिक और प्राकृतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना किया। दृढ़ इरादों और दूरदर्शी नीतियों के फलस्वरूप वर्तमान में हिमाचल हर क्षेत्र में सशक्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार, जल विद्युत, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, डेटा स्टोरेज और कृषि व बागवानी पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही है। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रशासनिक अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि वह दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी सराहनीय सेवाएं प्रदान कर अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर कार्यान्वित करने में सबसे अह्म भूमिका निभाते हैं। सरकार भी कर्मचारियों व अधिकारियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है और उनके हितों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एचपीएएस अधिकारियों की मांगों पर सहानुभूतिर्पूक विचार करेगी और इसके लिए शीघ्र ही उच्च स्तरीय बैठक में विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एचपीएएस अधिकारी संघ के नए लोगो, फ्लैग और स्मारिका का विमोचन भी किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवण मांटा ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और एसोसिएशन की गतिविधियों और मांगों से अवगत करवाया। इस अवसर पर एचपीएएस अधिकारी संघ के सभी सदस्यों ने विद्युत सब्सिडी छोड़ने का निर्णय लिया तथा इस संबंध में फार्म भरकर प्रस्तुत किए।

हिमाचल प्रदेश के शक्तिपीठों में एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने की मांग

शिमला। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्तिपीठों और अन्य तीर्थ स्थलों पर बुजुर्गों, दिव्यांगों और शारीरिक रूप से अक्षम श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने की मांग राज्यसभा में उठाई गई। हिमाचल प्रदेश से सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने सोमवार को शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को प्रमुखता से रखते हुए केंद्र सरकार से राज्य के तीर्थ स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने का आग्रह किया। डॉ. सिकंदर कुमार ने सदन में कहा कि हिमाचल प्रदेश को ₹देवभूमि₹ के नाम से जाना जाता है और यहां स्थित मां ज्वालाजी, मां चामुंडा देवी, मां नैना देवी, मां बगलामुखी, मां चितपूर्णी शक्तिपीठ और बाबा बालकनाथ जैसे अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है जहां अधिकतर मंदिर ऊंचाई पर स्थित हैं। इन मंदिरों तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को सैकड़ों सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं, जिससे बुजुर्गों, दिव्यांगों और शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। डॉक्टरों सिकंदर कुमार ने कहा कि इन धार्मिक स्थलों पर विशेष रूप से बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं लेकिन पर्याप्त सुविधाएं न होने के कारण उन्हें दर्शन करने में परेशानी होती है। तीर्थस्थलों पर अकसर भारी भीड़ होने से भी श्रद्धालुओं को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इन तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी श्रद्धालु विशेष रूप से बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति बिना किसी परेशानी के धार्मिक स्थलों पर दर्शन कर सकें।

हिमाचल में ब्लड बैंकिंग व्यवस्था चरमराई, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की उड़ रही धज्जियां : श्रीवास्तव

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में ब्लड बैंकिंग व्यवस्था चरमरा गई है। स्वास्थ्य विभाग सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और संबंधित नियम-कानूनों की खुलेआम अवहेलना कर रहा है।स्थिति यह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल पिछले आठ वर्षों से निष्क्रिय पड़ी है। न तो इसका पुनर्गठन किया गया है और न ही इसकी कोई बैठक हुई है। इस लापरवाही के चलते प्रदेश में ब्लड बैंकों की स्थिति बदहाल हो गई है जिससे मरीजों को समय पर आवश्यकतानुसार रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता। इससे रक्त की खरीद-फरोख्त का खतरा बढ़ गया है जो गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकता है।

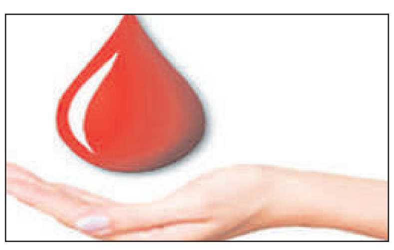

यह खुलासा समाज सेवा और रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय संगठन उमंग फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने सोमवार को एक पत्रकार वार्ता में किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। श्रीवास्तव ने कहा कि यह न केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन है बल्कि इससे आम मरीजों की जिंदगी खतरे में पड़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने 1996 में दिया था ऐतिहासिक फैसला

अजय श्रीवास्तव ने बताया कि कॉमन कॉज बनाम भारत सरकार (उहढ 91/1992) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 4 जनवरी 1996 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इसके तहत संपूर्ण ब्लड बैंकिंग व्यवस्था के संचालन और निगरानी के लिए केंद्र में नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल और सभी राज्यों में राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल गठित करने के निर्देश दिए गए थे। अदालत ने राज्यों की एड्स कंट्रोल सोसायटी को सिर्फ एड्स जागरूकता और रक्त सुरक्षा तक सीमित कर दिया था। लेकिन हिमाचल प्रदेश में राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल शुरू से ही केवल कागजों तक सीमित रही। राज्य के स्वास्थ्य सचिव इसके अध्यक्ष होते हैं लेकिन यह काउंसिल अब पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है। हैरानी की बात यह है कि पिछले आठ वर्षों से इसकी कोई बैठक तक नहीं हुई है।

ब्लड बैंकों में स्टाफ और संसाधनों की भारी कमी

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल को ब्लड बैंकों से संबंधित योजनाओं, उनके संचालन और आवश्यकताओं की पूर्ति की जिम्मेदारी निभानी होगी। साथ ही रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने होंगे। लेकिन यह काउंसिल निष्क्रिय रहने के कारण प्रदेश के आईजीएमसी अस्पताल समेत अन्य प्रमुख ब्लड बैंकों में डॉक्टर, नर्स, टेक्नीशियन, डाटा एंट्री ऑपरेटर, ड्राइवर और अन्य संसाधनों की भारी कमी बनी हुई है। इसके चलते केंद्र सरकार द्वारा 100 फीसदी ब्लड कंपोनेंट बनाने और इस्तेमाल करने का लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन अलग-अलग (प्लाज्मा, प्लेटलेट और आरबीसी) कंपोनेंट बनाए जा सकते हैं, जिससे तीन मरीजों को फायदा हो सकता है।

एचएडीपी लाभार्थी ने डोडा के नशाला गांव में हाइड्रोपोनिक इकाई स्थापित की

सिटी दर्पण
डोडा

उपायुक्त हरविंदर सिंह ने गांव नशाला, बिजारनी में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम योजना के तहत स्थापित एक हाइड्रोपोनिक इकाई का उद्घाटन किया। इकाई की स्थापना लाभार्थी शिवली राणा द्वारा की गई है, जिसकी 2.5 लाख रुपये की सब्सिडी सहित कुल परियोजना लागत 5 लाख रुपये है। जिले में आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के हिस्से के रूप में, इस परियोजना को पशुपालन विभाग द्वारा कार्यान्वित किया गया है। हाइड्रोपोनिक्स, एक मिट्टी रहित कृषि तकनीक, से चारा उत्पादन में वृद्धि, पशुधन के लिए बेहतर पोषण सुनिश्चित करने और किसानों की आय बढ़ाने की उम्मीद है। उपायुक्त ने उत्पादकता और स्थिरता में सुधार के लिए नवीन कृषि विधियों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एचएडीपी जैसी प्रगतिशील योजनाओं के माध्यम से किसानों को समर्थन देने में पशुपालन विभाग के प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में मुख्य पशुपालन अधिकारी डोडा डॉ. मयान उद दीन, पूर्व सरपंचों, पंचों और क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया।

शांतिपूर्ण, संतुष्ट जीवन के लिए संतों, संतों की शिक्षाओं का पालन करें:उप मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण
जम्मू

समाज को समावेशी बनाने में साधु-संतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने कहा कि हमें शांतिपूर्ण, संतुष्ट और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए उनकी शिक्षाओं का पालन करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने यह बात बिष्नाह में श्री गुरु रविदास जी महाराज के 684वें प्रकाश उत्सव की शोभा यात्रा के सिलसिले में आयोजित एक समारोह को सम्बोधित करते हुए कही।

उपमुख्यमंत्री ने गुरु जी की दूरदर्शी भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उनका योगदान बहुत बड़ा है और उनकी शिक्षाओं को लोकप्रिय बनाना समय की मांग है।

हमारा देश बहुत सारे संतों के लिए भाग्यशाली रहा है, जिन्होंने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से सामाजिक सुधार और परिवर्तन सुनिश्चित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। समावेशिता को व्यापक बनाने के लिए संदेश फैलाने और उनकी शिक्षाओं को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी हम पर है भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित हैं।

हिमाचल में अगले दो दिन वर्षा और बर्फबारी की सम्भावना, 10 जिलों में अंधड़ व आकाशीय बिजली का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सकता है। राज्य में चार और पांच फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से वर्षा और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इस दौरान पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होने के आसार हैं। वहीं मौसम विभाग ने चार फरवरी को लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर 10 जिलों में अंधड़ और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। छह व सात फरवरी को मौसम साफ रहेगा जबकि आठ व नौ फरवरी को फिर बादलों के बरसने का अनुमान है। राज्य में बीते कुछ दिनों से न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि सोमवार को शिमला, मनाली और अन्य हिल स्टेशनों पर खिली धूप से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन ठंडी हवाओं ने सर्दी का एहसास बनाए रखा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ आज से ही सक्रिय होने की संभावना है जिससे आगामी दो दिनों तक मौसम खराब रह सकता है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक हिमालय क्षेत्र पर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इस कारण चार और पांच फरवरी को राज्य में वर्षा और बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है जिससे ठंड और बढ़ सकती है। इसके अलावा मैदानी और मध्य पर्वतीय इलाकों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। चार फरवरी को प्रदेश के 10 जिलों में तेज अंधड़ चलने और आकाशीय बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा। मौसम विभाग ने इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को इस अलर्ट से बाहर रखा गया है, लेकिन इन इलाकों में भी बर्फबारी के चलते सड़क मार्ग बाधित हो सकते हैं। राज्य में पिछले कई दिनों से बादलों के बरसने का इंतजार हो रहा है। जनवरी महीने में सामान्य से 80 फीसदी कम वर्षा हुई है। मौसम की बेरूखी से किसान व बागवान परेशान हैं और उन्हें फसलों व फलों के सूखने की चिंता सता रही है।

न्यूनतम तापमान में गिरावट, शीतलहर का कहर जारी

हिमाचल प्रदेश में रात के समय ठंड का कहर जारी है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे या इसके आसपास बना हुआ है। विशेषकर लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पिछले 24 घंटों के आंकड़ों के मुताबिक राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 0.4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। लाहौल-स्पीति का कूकुमसेरी राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा जहां सोमवार को न्यूनतम तापमान -9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह ताबो में न्यूनतम तापमान -9.3 डिग्री, केलंग में -8.3 डिग्री और कल्पा में -0.5 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। मनाली में न्यूनतम तापमान 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो शून्य के करीब पहुंच गया है। वहीं शिमला में बीते दिनों के मुकाबले तापमान में बढ़ोतरी हुई और यहां न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक है जिससे रात में ठंड थोड़ी कम हुई है।

दिन में राहत लेकिन रात को कंपकंपाएगी ठंड

इस बीच सोमवार को शिमला मनाली और अन्य हिल स्टेशनों पर अच्छी धूप खिली रही, जिससे दिन में मौसम सुहावना बना रहा। लेकिन ठंडी हवाओं के चलते लोगों को पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार धूप खिलने के बावजूद रात में तापमान तेजी से गिर सकता है और शीतलहर का प्रकोप जारी रहेगा। राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी तापमान सामान्य से कम बना हुआ है। आने वाले दिनों में वर्षा और बर्फबारी के कारण ठंड में और इजाफा होने की संभावना है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

पलवल जिले को स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के मामले में देश के अग्रणी जिलों में शामिल किया जाएगा : गौरव गौतम

खेल मंत्री गौरव गौतम ने पलवल शहर में की स्वच्छता अभियान की शुरूआत

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर भी करवाया जा रहा है वॉल पेंटिंग का कार्य
- जिले में जल्द लगवाई जाएंगी तिरंगा लाइटें, बनेंगी वॉल पेंटिंग्स

हरियाणा के युवा आधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून एवं विधायी राज्यमंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि पलवल जिले को स्वच्छता और सौन्दर्यकरण के मामले में देश के अग्रणी जिलों में शामिल किया जाएगा। खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने सोमवार को पलवल के बस स्टैंड से स्वच्छता अभियान की शुरूआत की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सौंदर्यीकरण को लेकर पलवल के चौक - चौराहों सहित ओवरब्रिज पर वॉल पेंटिंग का कार्य चल रहा है। नगर परिषद के सौजन्य से बस स्टैंड से शुरू किए गए स्वच्छता अभियान के दौरान स्वयं मंत्री श्री गौतम ने कचरे को एकत्रित कर ट्रैक्टर - ट्रॉलियों में रखवा कर आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिले में तिरंगा लाइट लगाने का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा कि साफ सफाई को लेकर लगातार समय - समय पर स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा नगर परिषद के कर्मचारियों को भी सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए है। वहीं शहर से कूड़ा उठाने के लिए 80 रिक्शा, 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली व 2 जेसीबी नगर परिषद को उपलब्ध करवाई गई हैं।आगरा चौक ओवरब्रिज पर महापुरुषों और ऐतिहासिक धरोहरों की चित्रकारी की जा रही है। राज्यमंत्री श्री गौतम ने कहा कि शहर में 'हमारा पलवल' नाम से आकर्षक सैल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। सेक्टर-2 स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर बनाया गया क्लॉक टॉवर बेहद खूबसूरत नजर आता है।

उन्होंने कहा कि शहर में आधुनिक सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को साफ - सफाई और स्वच्छता के मामले में आगे ले जाने के उद्देश्य से सफाई अभियान की शुरूआत की थी, जो देशभर में चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में भी साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर उनके साथ पलवल के उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ व अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से लाडवा के गांवों में संकल्प शिविरों का किया आयोजन

अनिल गोयल
लाडवा (सिटी दर्पण)

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा लाडवा के टाटका और टाटकी में आयोजित नवीन संकल्प शिविरों में गांव वासियों की कई महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान किया गया। इस शिविर में पेंशन, आधार कार्ड, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (ढढढ) और राशन कार्ड संबंधित मुद्दों का समाधान किया गया, जिससे गांव के लोगों को राहत मिली। सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर आरंभ किए गए नवीन संकल्प शिविरों में विशेष रूप से एक मोबाइल मेडिकल यूनिट भी लगाई गई है , जिसमें मुफ्त दवाइयां, चिकित्सा परामर्श और टेस्ट की सुविधाएं दी जाती है। गांव के लोगों द्वारा इन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाया जाता है।

इन नवीन संकल्प शिविरों में सांसद नवीन जिन्दल द्वारा शुरू की गई नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के बारे में भी जानकारी दी ई जाती है ताकि जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति के माध्यम से आर्थिक सहयोग मिल सके। सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने इस अवसर पर बताया कि सांसद नवीन जिन्दल समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी है और ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। आज के नवीन संकल्प शिविरों में 112 लोगों को परामर्श और निःशुल्क दवाईयां दी गई साथ ही 19 लोगों के युरिन और रक्त के टेस्ट भी किए गए। आज के नवीन संकल्प शिविरों में 91 लोगों की समस्याओं का समाधान और छात्रवृत्ति योजना के बारे विस्तृत जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। उन्होंने बताया कि ये नवीन संकल्प शिविर न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण बने हैं बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक सिद्ध हुए हैं।

यात्रियों को अच्छा खाना उपलब्ध कराने की कोशिश: अनिल विज

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा रोडवेज में प्रतिदिन तीन लाख यात्री व कर्मचारी सफर करते हैं तथा उन्हें अच्छा खाना उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के पांच बस स्टैंडों पर ट्रायल तौर पर टूरिज्म विभाग द्वारा बसों के यात्रियों को रेलवे की तर्ज पर खाना उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाईवे पर हम रेस्ट हाउस बनाना चाहते हैं ताकि वाहन चालक, महिलाएं व यात्रियों को रिफ्रेश होने की बेहतर सुविधा मिल सके।

श्री विज आज अम्बाला छावनी बस स्टैंड पर आस्था फाउंडेशन द्वारा प्रारंभ की गई पांच रूपए में थाली सेवा की शुरूआत करने के उपरांत लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ट्रायल तौर पर पांच बस स्टैंडों पर टूरिज्म विभाग से अनुबंध कर रहे हैं जहां से खाना मुहैया कराया जाएगा। यदि यह ट्रायल कामयाब हुआ तो अन्य बस स्टैंड पर भी यह सुविधा होगी। इसके अलावा, रेलवे की तर्ज पर हरियाणा रोडवेज में भी खाना उपलब्ध कराने की योजना है। उन्होंने कहा कि आज जो दुर्घटनाएं हो रही है वह 80 प्रतिशत मानवीय चूक की वजह से हो रही है। मानवीय चूक चालक को आराम नहीं करने की वजह से हो रही है।

आत्मनिर्भर भारत की कल्पना साकार करेगा केंद्रीय बजट: रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश किए गए बजट में अनेक दूरदर्शी समावेशी नीतियों की घोषणा की गई है, जो न केवल राष्ट्रीय स्तर पर व हरियाणा राज्य ही नहीं बल्कि हर राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह एक विकासोन्मुख व संतुलित बजट है। यह बजट देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि यह बजट हर वर्ग, किसान, युवा, महिला, कर्मचारी, व्यापारी या औद्योगिक सबकी खुशहाली के लिए अत्यंत लाभकारी व कल्याणकारी बजट है जिसमें हर वर्ग व हर व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का ध्यान रखा गया है। सभी वर्गों के लिए यह बजट एक वरदान है।

लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि बजट में मध्यम वर्ग के लिए बहुत बड़ी राहत दी गई है तथा अब 12.75 लाख रूपए तक कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। अकेले हरियाणा प्रदेश में 11 लाख आयकरदाता हैं तथा इस बजट से लगभग 5 लाख लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। समाज के हर वर्ग के व्यक्ति ने इस बजट की भरपूर सराहना की है, क्योंकि यह बजट आम नागरिक की जरूरतों को प्राथमिकता देने, सामाजिक कल्याण तथा सभी भारतीयों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस बजट से देश विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

श्री रणबीर गंगवा ने बताया कि यह बजट कृषि क्षेत्र में तीव्रगति से सुधार के लिए अभूतपूर्व कदम है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और आयात पर निर्भरता कम होगी तथा इससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। अब किसान सब्सिडी वाले कार्ड पर 5 लाख तक कर्ज ले सकेंगे। कपास की खेती को बढ़ावा देने के उद्देष्य से हिसार, फतेहाबाद, सिरसा व कैथल आदि जिलों के किसानों को खूब लाभ मिलेगा। दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए 6 साल का एक मिशन शुरू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के पांच योजनाओं के पैकेज के तहत अगले 5 वर्षों में 3 करोड़ से ज्यादा युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर प्रदान किए जाएंगे, जिससे हरियाणा के युवाओं को भी लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं आर्टिफिसिल इंटैलीजैंस शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस बजट में 500 करोड़ रूपए से ज्यादा का प्रावधान रखा गया है।

लोक निर्माण मंत्री ने बताया बीमा सैक्टर में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश को मंजूरी देने का प्रस्ताव है। ईवी बैटरी निर्माण सामग्री पर कस्टम ड्यूटी खत्म कर दी गई है। एससी/एसटी वर्ग की महिलाओं को बिना गारंटी 2 करोड़ रूपए तक का लोन मिलेगा। इससे उन महिलाओं को लाभ मिलेगा, जो स्वावलंबी और आत्मनिर्भर होना चाहती हैं। हरियाणा राज्य देश का लगभग 65 प्रतिषत ऑटोमोबाईल उत्पादन करता है। अतः इस क्षेत्र में और बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने 36 जीवन रक्षक दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटा दी है। एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ किया जाएगा। सभी सरकारी सैकेंडरी स्कूलों को ब्रॉडबैंड कनैक्टिविटी से जोड़ा जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

हिंदू हाई स्कूल में बसंत पंचमी मनाई गई धूमधाम से

लाडवा। हिंदू हाई स्कूल में बसंत पंचमी धूमधाम से मनाई गई। प्रबंधक कमेटी के प्रधान पवन गर्ग ने ज्ञान दायिनी मां सरस्वती को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि सरस्वती माता ज्ञान और धन की देवी है न केवल विद्यार्थी अपितु बड़ों को भी मां के आशीर्वाद की जरूरत होती है। स्कूल की प्रधानाचार्य योगिता आहलूवालिया ने बच्चों को बताया कि आज बसंत पंचमी के उपलक्ष पर हमें मां सरस्वती से ज्ञान व अच्छी वाणी प्रदान करने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए ।उन्होंने बच्चों को समझाया कि हम सबको अपने मुख से वाणी का प्रयोग सोच समझ कर करना चाहिए क्योंकि हम सभी के जिह्वा पर मां सरस्वती का निवास व आशीर्वाद होता है। हमारे वचन और कर्म से कोई भी प्राणी आहत न हो।अध्यापिका सोनिया गोयल ने सरस्वती माता के जन्म की कहानी से बच्चों को अवगत करवाया। कक्षा चौथी के बच्चों ने इस उपलक्ष पर नृत्य व भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सभी अध्यापक अध्यापिकाएं वह छात्रगण उपस्थित रहे।

चरखी दादरी के गांव रामलवास में नहीं हो रहा कोई खनन व जल दोहन

चंडीगढ़।हरियाणा के खान एवं भूविज्ञान मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि जिला चरखी दादरी के गांव रामलवास में वर्तमान में किसी भी प्रकार का कोई खनन कार्य नहीं चल रहा है और न ही जल दोहन हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहले से ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि यदि स्थानीय ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की समस्या है तो उनका निवारण प्राथमिकता के आधार पर तुरंत प्रभाव से होना चाहिए। वहीं ग्रामीण भी अपनी समस्या को लेकर किसी भी समय उनसे व विभाग के अधिकारियों से बात कर सकते हैं,जिनका तुरंत प्रभाव से उचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। खनन मंत्री ने बताया कि रामलवास गांव में बंद हो चुकी खान पर ग्रामीणों द्वारा पिछले काफी दिनों से धरना दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने शिकायत दी थी कि संबंधित खान मालिक द्वारा नियमों की अवहेलना करके खनन किया जा रहा है और जल दोहन भी हो रहा है, जिससे इलाके में भूजल स्तर नीचे चला गया है। इस शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा संबंधित माईन को 28 अक्टूबर, 2024 को सस्पेंड कर दिया गया था। तदोपरांत, 11 दिसंबर, 2024 को उस माईन का पट्टा भी रद्द (टर्मिनेट) किया जा चुका है। श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि वर्तमान में रामलवास गांव में किसी भी प्रकार का कोई खनन कार्य और जल दोहन का नहीं हो रहा है। ग्रामीणों की यदि कोई और भी मांग है तो वे विभाग के अधिकारियों व उनसे मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अवैध खनन पर पूर्ण प्रतिबंध है और किसी भी प्रकार का अवैध खनन करने पर संबंधित के खिलाफ तुरंत प्रभाव से सख्त कार्रवाई की जाती है।

सुगनी देवी स्कूल के छात्र प्रभजोत सिंह ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता सिल्वर मेडल

सिटी दर्पण
लाडवा

गत दिनों हैदराबाद में संपन्न हुई राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सुगनी देवी स्कूल लाडवा के कक्षा सातवीं के छात्र प्रभजोत सिंह ने सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रभजोत सिंह का स्कूल प्रांगण में पहुंचने पर विद्यालय की प्रबंधक समिति, प्राचार्या पूजा छाबड़ा द्वारा भव्य स्वागत किया गया । इस शानदार उपलब्धि को और अधिक शानदार बनाने के लिए विद्यालय की ओर से एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस स्वागत समारोह की मुख्य अतिथि नगर पालिका लाडवा अध्यक्षा श्रीमती साक्षी खुराना ने प्रभजोत सिंह को मैडल पहनाकर सम्मानित किया। प्राचार्या पूजा छाबड़ा और प्रबंधक समिति के सदस्यों ने भी फूलमाला पहनाकर विजेता खिलाड़ी को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। प्रबंधक समिति की प्रधान रंजना गोयल विजेता खिलाड़ी को नकद पुरस्कार देकर आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के आरंभ में बच्चों द्वारा गायत्री मंत्र पाठ से शुभारंभ किया गया।इसके उपरांत नगर पालिका अध्यक्षा साक्षी खुराना का फूल माला व शाल द्वारा स्वागत किया गया। प्रभजोत सिंह व उसकी टीम ने कोच करणजीत गौरी के मार्गदर्शन में ताइक्वांडो का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रभजोत सिंह को फूलमाला पहनाकर लाडवा शहर में विजय यात्रा भी निकाली गई। जिसके आगे विद्यालय की बैंड टीम ने विजयी धुन बनाकर विजय यात्रा की शोभा बढ़ाई। प्रभजोत सिंह व कोच करणजीत ने नगर के विभिन्न मार्गों पर शुभकामनाएं व आशीर्वाद ग्रहण किया।इस अवसर पर प्रबंधक समिति के कोषाध्यक्ष राजकुमार, सह सचिव अनिल गोयल, सुशील गुप्ता , डॉक्टर वंदना, विद्यालय का स्टाफ एवं प्रभजोत सिंह का परिवार व मित्रगण उपस्थित रहे।

कामकाजी महिलाओं को मिलेगा सखी निवास, बच्चों के लिए डे केयर की भी सुविधा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार कामकाजी महिलाओं की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए फरीदाबाद सेक्टर-78 और गुरुग्राम सेक्टर 9 में सखी निवास योजना के तहत महिला छात्रावास का निर्माण करने जा रही है। इससे कामकाजी महिलाओं के रहने की समस्या दूर होगी। सखी निवास में कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास मिलेगा।

हरियाणा महिला विकास निगम इसकी कार्ययोजना तैयार कर रहा है। सखी निवास में रहने वाली कामकाजी महिलाओं को डे केयर की सभी सुविधा दी जाएगी। वह अपने साथ बच्चों को भी रख सकती हैं। अगर बच्चे बड़े हो तो भी उसे रखने की व्यवस्था होगी। इसमें 12 साल तक के लड़के और 18 साल तक की लड़की को रखने की अनुमति होगी।

इस योजना का लाभ किसी भी तरह की कामकाजी महिलाओं को मिलेगा। इसमें अविवाहित के साथ विवाहित और तलाकशुदा भी शामिल होंगी। इसमें वंचित वर्ग और शारीरिक विकलांगता वाली महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। कामकाजी महिला हरियाणा निवासी होनी चाहिए और उसके पास हरियाणा का परिवार पहचान पत्र होना जरूरी है ।महानगरों में महिला की मासिक आय 50 हजार रुपये और किसी अन्य स्थान पर 35 हजार रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होनी चाहिए । जब भी महिला की मासिक आय तय सीमा से अधिक होती है तो उसे छात्रावास को 3 माह के अंदर छोड़ना होगा। छात्रावास के लिए महिला को आधार कार्ड, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट, कर्मचारी का वेतन प्रमाण पत्र भी आवेदन के साथ लगाना होगा।

यह आवास लगभग एक एकड़ में बनाए जाएंगे जहां 200 महिलाओं के रहने की व्यवस्था होगी। इसके निर्माण पर करीब 65 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत आएगी जो कि भारत सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है ।

7 फरवरी से 23 फरवरी तक चलेगा 38वां अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट्स मेला

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- परंपरा और आधुनिकता का संगम है सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेला: कला रामचंद्रन
- हरियाणा पर्यटन निगम की प्रधान सचिव ने मेले की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

हरियाणा पर्यटन निगम की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन ने कहा कि 38वां अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट्स मेला भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। 7 फरवरी से 23 फरवरी तक चले वाले इस मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन व सरकार द्वारा सभी तैयारियां बेहतरीन ढंग से की जा रही हैं।

श्रीमती कला रामचंद्रन ने आज 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर उपायुक्त श्री विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

हरियाणा पर्यटन निगम की प्रधान सचिव ने कहा कि सूरजकुंड मेले को डिजिटल रूप दिया गया है। पहली बार स्टॉल की बुकिंग ऑनलाइन की गई हैं। पूरी पारदर्शिता बनाए रखते हुए सूरजकुंड का यह शिल्प मेला डिजिटल प्लेटफार्म के साथ पर्यटन के क्षेत्र में आमजन के स्वागत के लिए तैयार हो रहा है। मेले से जुड़े हर पहलू की जानकारी सूरजकुंड मेला डॉट कॉम डॉट इन पर उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने बताया कि इस बार 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में उड़ीसा व मध्यप्रदेश थीम स्टेट हैं और बिम्सटेक-बांग्लादेश, भूटान, इंडिया, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका व थाईलैंड राष्ट्र भागीदार हैं और नॉर्थ ईस्ट हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट एसोसिएशन मेले का कल्चरल पार्टनर है। साथ ही दिल्ली मेट्रो टिकटिंग पार्टनर रहेगा।

गांव सरदारेवाला के समीप भाखड़ा नहर हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को दी जाए 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

सांसद कुमारी सैलजा ने नहरों के पुल की सुरक्षा दीवार बनाने, रेलिंग और रिफलेक्टर लगाने को लेकर सीएम को लिखा पत्र

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा है कि नहरों के पुलों पर रेलिंग न होने के चलते हादसे हो रहे है और लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए साथ ही फतेहाबाद जिला के गांव सरदारेवाला के समीप भाखड़ा नहर में गाड़ी गिरने से मारे गए 12 लोगों के परिवारजनों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए।

सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा है कि उनके सिरसा लोकसभा क्षेत्र के जिला फतेहाबाद के गांव सरदारेवाला के समीप एक गाड़ी के भाखड़ा नहर में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई, अगर सिंचाई विभाग ने लोगों की मांग पर पहले ही संज्ञान लिया होता तो यह हादसा होने से रोका जा सकता था। कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा और फतेहाबाद जिला से होकर गुरजने वाली भाखडा नहर पर कई पुल है यहां पर या तो सुरक्षा दीवार नहीं है या टूटी पडी है, रेलिंग नहीं है, यहां तक कि रिफलेक्टर तक नहीं लगाए गए है। सिरसा के गांव लोहगढ़ क्षेत्र से गुजरने वाली सरहिंद नहर के पुल की रेलिंग भी टूटी पड़ी है, इस और भी संबधित विभाग के अधिकारियों ने कभी कोई ध्यान ही नहीं दिया यहां तक लोगों ने इस बारे में अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा जिला के गांव ओढां क्षेत्र में पीरखेडा नहर के पुल पर भी रेलिंग टूटी हुई पड़ी है। इसके साथ ही गांव लोहगढ़ के समीप से होकर गुजरने वाली सरहिंद के पुल पर भी रेलिंग नहीं है। अगर देखा जाए तो इस प्रकार के सभी हादसे अधिकारियों की लापरवाही का ही नतीजा है। नहरों में जहां पर गहराई ज्यादा है वहां पर रेलिंग और संकेतक जरूर लगाए जाए। कुछ नहर पर नहाने के लिए लोगों ने लंबे समय से अपने हिसाब से स्पाट विकसित किए हुए है, जहां पर हादसे होते रहते है।

कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि संबाधित विभाग की एक टीम बनाकर सर्वे करवाया जाए कि नहरों पर कहां कहां रैलिंग नहीं है, रिफलेक्टर नहीं है, सुरक्षा दीवार नहीं है। जहां पर भी नहीं है वहां पर इनकी व्यवस्था की जाए। साथ ही विभागीय लापरवाही के चलते जहां पर भी इस प्रकार के हादसे हुए है वहां के संबधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और गांव सरदारेवाला के समीप नहर में गाडी के गिरने से जिनकी मौत हुई है उनके परिजनों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए।

संपादकीय

दिल्ली विधानसभा चुनाव में अब चुनावी सभा, रैली, रोड शो और पदयात्रा पर लगी रोक, घर घर जाकर होगा प्रचार

जी हां 3 जनवरी शाम 5 बजे से दिल्ली विधान सभा चुनाव का प्रचार खत्म हो गया है। चुनाव आयोग द्वारा सभी राजनीतिक दलों को यह हिदायत दी गी है कि वे अब चुनावी सभाएं, रैलीयां, रोड शो और पदयात्राएं नहीं निकालेंगे। अलबत्ता उन्हें घर घर जाकर प्रचार करने तक की ही अनुमति रहेगी। गर हम दिल्ली विधान सभा चुनावों में कुल मतदाताओं और विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों की बात करें तो दिल्ली विधान सभा चुनावों में कुल 699 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला यहां पर मौजूद एक करोड़ 56 लाख 14 हजार मतदाता करेंगे। वे यहां की 70 विधान सभा सीटों के लिए खड़े 699 प्रत्याशियों में से अपने 70 विधायकों को चुनेंगे। इन मतदाताओं में 83 लाख 76 हजार 173 पुरुष और 72 लाख 36 हजार 560 महिला मतदाता है। इसके अतिरिक्त 1,267 ट्रांस्जेंडर मतदाता और 12,736 सेवा मतदाता हैं। 79,885 दिव्यांग मतदाता हैं। वहीं पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं की संख्या 2,39,905 है। इनके लिए आयोग ने 13766 मतदान केंद्र बनाए हैं। दिल्ली विधान सभा चुनावों के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा और 8 फरवरी को मतगणना होगी इसके लिए चुनाव आयोग ने पूरी दिल्ली में 11 जिलों के तहत 19 गिनती केंद्र बनाए हैं। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी राजनीतिक पार्टियों आम आदमी पार्टी (आप), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पार्टी ने अपने अपने प्रत्याशियों के लिए जमकर प्रचार किया और इन चुनावों में सरकार बनाने के दावे भी ठोके। मगर ग्राउंड जीरों की रिर्पोट के मुताबिक दिल्ली विधान सभा चुनावों में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ही माने जा रहे हैं जबकि कांग्रेस पार्टी जो पहले से ही दिल्ली में अपना जनाधार खो चुकी है दुबारा चुनावों में लड़कर अपनी खोयी हुई सत्ता हासिल करने का ख्वाब देख रही है यही वजह है कि कांग्रेस ने दिल्ली चुनावो में मुख्यमंत्री के रूप में अपना चेहरा पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को बनाया है जबकि भाजपा अभी भी अपना मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं चुन पायी है दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने अपने मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के कन्वीनर अरविंद केजरीवाला को ही चुना है। दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में 10 विधानसभा सीटें हैं। इनमें बिजवासन, पालम, महरौली, छतरपुर, देवली, अंबेडकर नगर, संगम विहार, कालकाजी, तुगलकाबाद, बदरपुर विधानसभा सीटें आती हैं। यहां कालकाजी, तुगलकाबाद, संगम विहार, छतरपुर महरौली और बदरपुर सीट पर कांटे की टक्कर है। आप के कन्वीनर अरविंद केजरीवाल की विश्वासपात्र कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री आतिशी लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रही हैं। उन्हें भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी और कांग्रेस की अलका लांबा से कड़ी टक्कर मिल रही है। याद रहे अलका लांबा पहले आम आदमी पार्टी में पहली पंक्ति की नेत्री हुई करती थी बाद में वे पार्टी को छोड़ कांग्रेस पार्टी में चली गईं थीं। वहीं दूसरी ओर इस सीट से पहली बार चुनाव लड़ रहे रमेश बिधूड़ी ने जीत के लिए भाजपा कार्यकताओं के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। यह मुकाबला इतना रोचक हो चुका है कि रमेश और आतिशी एक दूसरे पर कई बार आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए चुनाव आयोग को चिट्ठी भी लिख चुके हैं। इसके अलावा दूसरी सबसे बड़ी टक्कर नई दिल्ली लोकसभा सीट है। यहां से आप से अरविंद केजरीवाल, भाजपा से प्रवेश वर्मा और कांग्रेस से संदीप दीक्षित चुनाव लड़ रहे है। यहां केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चौथी बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। केजरीवाल के सामने भाजपा से प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। ये दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों के सुपुत्र भी हैं। कांग्रेस के नेता और उम्मीदवार अपने खोए हुए मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यकों और दलितों को वापस लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पार्टी लगभग दो दर्जन सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इन क्षेत्रों में समर्थन वापस पाने के लिए अपने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेताओं के जरिए प्रचार कर रही है। विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में बीजेपी, आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं ने चुनावी सभाओं को संबोधित किया और रोड शो किए। वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत कई नेताओं ने रोड शो और जनसभाएं कीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी प्रचार किया। दूसरी ओर दिल्ली के पूर्व सीएम और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा- मेरे अनुमान के मुताबिक आम आदमी पार्टी की 55 सीट आ रही हैं, लेकिन अगर महिलाएं जोर लगा दें, सभी वोट करने जाएं और अपने घर के पुरुषों को भी आम आदमी पार्टी को वोट देने के लिए समझाएं तो 60 से ज्यादा भी आ सकती हैं। उन्होंने एक वीडियो भी जारी किया। इसमें कहा- मुझे पता चला है कि वे भाजपा इ वी एम के जरिए 10% वोटों में गड़बड़ी कर सकती है। हमें हर जगह 10% से ज्यादा की बढ़त दें। अगर हमें 15% की बढ़त मिलती है, तो हम 5% से जीतेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इ वी एम से निपटने का यही एक तरीका है कि आप ज्यादा से ज्यादा वोट करें। हमने एहतियात के तौर पर एक वेबसाइट बनाई है। महाराष्ट्र-हरियाणा चुनावों से सबक लेते हुए हमने तय किया है कि 5 फरवरी की रात को हम हर पोलिंग बूथ की 6 डिटेल अपलोड करेंगे ताकि मशीनों से छेड़छाड़ न की जा सके। अगर काउंटिंग के दिन वे (भाजपा) कोई गड़बड़ी करते हैं, तो आप नंबरों का मिलान कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष: आपकी आय बढ़ने से मन प्रसन्न होगा। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ने की सम्भावना है। प्रेम सम्बन्धों को पारिवारिक स्वीकृति मिलने से प्रसन्न रहेंगे। आपकी विनम्रता की लोग प्रशंसा करेंगे। सुख-सुविधाओं में आप धन खर्च कर सकते हैं।

वृषभ: अपनी योजनाओं को गुप्त रखें। भोग-विलास की वस्तुओं पर धन खर्च कर सकते हैं। व्यावसायिक रिश्तों में प्रगाढ़ता आयेगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी।

मिथुन: सहकर्मियों से अनबन हो सकती है। जीवनसाथी की बातों पर नाराज न हों। व्यापारी वर्ग के मन में असंतोष हो सकता है। दिल की अपेक्षा दिमाग से फैसला लें। अत्यधिक बहसबाजी से आपको बचना चाहिये। अपनी सेहत का ध्यान रखें।

कर्क: अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। दोस्तों के साथ मनोरंजक समय व्यतीत करेंगे। सन्तान को लेकर शुभ समाचार मिल सकते हैं। आपके व्यवहार से सब लोग प्रसन्न रहेंगे। फाइनेंस से जुड़ी गतिविधियों के लिये दिन उत्तम रहने वाला है।

सिंह: अपनी योग्यता के बलबूते कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे। आपकी छवि लोगों के सामने निखर कर सामने आयेगी। घर के कार्यों में आज काफी व्यस्त रहेंगे। परिवार के लोग आपके लिये कुछ निर्णय ले सकते हैं। आज आप अटके कार्यों को पूर्ण कर लेंगे।

कन्या: कार्यक्षेत्र में आपको दूसरे लोगों पर अधिक भरोसा नहीं करना चाहिये। धार्मिक गतिविधियों में आप रुचि लेंगे। पिकनिक के लिये आप जा सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। युवा जातक अपने प्रेमी जन को प्रपोज कर सकते हैं। आपको अपनी छवि को लेकर चिन्ता रहेगी।

तुला: आपका फोकस महत्वपूर्ण कार्यों से हट सकता है। घर में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। गैस और अपच की समस्या हो सकती है। किसी से अपनी गुप्त बातें शेयर न करें। बेवजह की यात्रा करने से आपको बचना चाहिये। इन्टरनेट पर आप काफी समय खर्च करेंगे।

वृश्चिक: कारोबार में नये अनुबन्ध कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन रोमान्स से भरपूर रहने वाला है। सम्पत्ति के क्रय-विक्रय से अत्यधिक धन लाभ हो सकता है। सिनेमाघर और होटल व्यवसायियों की आय बढ़ सकती है। काफी दिनों से मेहनत के कारण जो थकान थी वो आज दूर होगी।

धनु: आपको मेहनत का सुखद परिणाम मिलेगा। विदेश में शिक्षा लेने वाले लोगों के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। व्यावसायिक यात्रा हो सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता में लाते हुये पूर्ण कर लें। यदि आप साझेदारी में काम करना चाहते हैं तो आज का समय बहुत उत्तम है। खर्चों को लेकर सावधान रहना चाहिये।

मकर: राजनीति से जुड़े लोगों का वर्चस्व बढ़ेगा। घर के बड़े बुजुर्ग आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं। आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी रिश्ते से जुड़ा हुआ सुनहरा मौका मिलेगा। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। सहयोगियों की सलाह पर ध्यान दें।

कुंभ: अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ नोंक-झोंक होने की सम्भावना है। पुराने धन की प्राप्ति हो सकती है। बच्चों को कुछ अच्छा सिखाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको वाहवाही मिलेगी। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

मीन: आपको कोई अच्छा आइडिया मिल सकता है जो कार्यक्षेत्र में आपकी काफी मदद करेगा। कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। युवा लड़के कुसंगति से बचें। नये उत्पादों की शुरुआत कर सकते हैं। व्यापार में सहयोगियों की मदद मिलेगी।

खेलो इंडिया अब हर एथलीट की यात्रा का एक बड़ा हिस्सा क्यों है?

डॉ. मनसुख मांडविया

सात वर्ष पूर्व, हमने 2018 में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी) के शुभारंभ के साथ एक आंदोलन की ज्योति प्रज्वलित की थी। आज जब मैं देखता हूं कि हम इस मामले में कितना आगे निकल चुके हैं, तो मुझे बेहत गर्व होता है, न केवल उन पदकों के लिए जो हमने जीते हैं, बल्कि जिस तरह से खेलो इंडिया ने हमारे देश में खेलों के मूल स्वरूप में बदलाव किया है, उसको देखते हुए भी यह अनुभूति होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संकल्पित, खेलो इंडिया कभी भी केवल पदक जीतने के संदर्भ से जुड़ा नहीं था, सही मायने में यह खेलों के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को प्रज्वलित करने के साथ-साथ एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने की परिकल्पना थी, जहां हर बच्चे को खेलने और समग्र रूप से विकसित होने का अवसर मिले। आज, यह आंदोलन खेलो इंडिया गेम्स के 16 संस्करणों में विस्तारित एक बहुआयामी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में विकसित हो चुका है, यह एक ऐसी पारिस्थितिकी व्यवस्था बना रहा है जो युवा प्रतिभाओं का पोषण करती है, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करती है और खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत के एक प्रमुख वैश्विक खेल राष्ट्र बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की आधारशिला भी रखती है।

खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी) के उद्घाटन ने भारत में जमीनी स्तर की खेल क्रांति की दिशा तय की है। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपार संभावनाओं को पहचानते हुए, केआईएसजी ने युवा एथलीटों के लिए अंतर-स्कूल प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में शामिल होने के लिए एक व्यवस्थित मार्ग बनाया। पिछले कुछ वर्षों में, इस पहल ने हजारों एथलीटों की पहचान की है और उनका पोषण किया है, जिनमें से कुछ ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा उदाहरण खेल रत्न पुरस्कार विजेता मनु भाकर हैं, जिन्होंने स्कूल गेम्स से यूनिवर्सिटी गेम्स में पदार्पण किया और वह पेरिस ओलंपिक में दोहरी कांस्य पदक विजेता बनीं।

खेलो इंडिया गेम्स के व्यापक ढांचे में केआईएसजी के विस्तार के साथ, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान अधिक मजबूत हो चुकी है। विद्यालय, छोटी आयु की प्रतिभाओं के केंद्र बने हुए हैं और खेलो इंडिया ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि इन युवा एथलीटों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के साथ-साथ बुनियादी सुविधाएं और प्रदर्शन करने के अवसर मिलें। आज, खेलो इंडिया के विद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर के चैंपियन उच्चतम स्तर पर पदक जीत रहे हैं और यह कार्यक्रम की प्रभावशीलता का प्रमाण है।

अपनी स्थापना के बाद से, खेलो इंडिया ने अपने खेलों के 16 संस्करण आयोजित किए हैं, जिनमें छह युवा खेल, चार विश्वविद्यालय खेल, पांच शीतकालीन खेल और एक पैरा-खेल शामिल हैं। प्रत्येक संस्करण ने भारत के खेल परिदृश्य में नए आयाम पेश किए हैं।

स्कूली खेल और उसके बाद के युवा खेल अब युवा एथलीटों के लिए प्रमुख प्रतियोगिता और भारत के भावी ओलंपियनों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिभा-खोज कार्यक्रम बन चुके हैं। इस विस्तार ने प्रतिस्पर्धा के विभिन्न स्तरों पर एथलीटों के लिए एक सहज प्रोत्साहन मार्ग सुनिश्चित किया है, जिससे भारत की खेल श्रृंखला मजबूत हुई है। खेलो इंडिया सिर्फ. एथलीट पहचान कार्यक्रम से कहीं आगे बढ़ चुका है। अब इसमें कॉर्पोरेट, राज्य सरकारें, निजी अकादमियां और जमीनी स्तर के संगठन समेत कई हितधारक शामिल हैं। निजी क्षेत्र की भूमिका काफी बढ़ गई है, जिसमें निगम प्रायोजन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और एथलीट मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध्यम से खेल विकास में निवेश कर रहे हैं। सरकार, राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) और कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ भागीदारी के जरिए लक्षित समर्थन सुनिश्चित करके खेलों में कॉर्पोरेट जुड़ाव को और बढ़ाने के लिए ₹एक कॉर्पोरेट, एक खेल₹ पहल शुंभारभ कर रही है।

राज्य सरकारों ने भी पहल की है, क्षेत्रीय खेल प्राथमिकताओं के आधार पर खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) का प्रस्ताव दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खेल विकास स्थानीय जरूरतों के अनुरूप हो। इसके अलावा, देश के विभिन्न क्षेत्रों में ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र (ओटीसी) स्थापित करने की योजनाएं हैं। ये विश्व स्तरीय उच्च प्रदर्शन केंद्र पैरा-स्पोर्ट्स और स्वदेशी खेलों सहित शीर्ष एथलीट प्रशिक्षण प्रदान करेंगे और अत्याधुनिक खेल बुनियादी ढांचे, खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा सुविधाओं से लैस होंगे। इसके अलावा, उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए राज्य उत्कृष्टता केंद्र (एससीओई) स्थापित किए जाएंगे, जो प्राथमिकता वाले खेलों में एथलीटों का समर्थन करेंगे। समावेशिता खेलो इंडिया की आधारशिला रही है, और 'अचीविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वीमेन थ्रू एक्शन' (एएसएमआईटीए) लीग जैसी पहलों ने खेलों में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2021 में अपनी शुरूआत के बाद से, एएसएमआईटीए ने 880 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है जिससे मीराबाई चानू जैसी ओलंपिक पदक विजेता सहित 1,00,000 से अधिक महिला एथलीटों को लाभ मिला है।

माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा ग्रामीण भारत और छोटे शहरों के एथलीटों का समर्थन करने के महत्व पर बल दिया है, जिन्हें अक्सर अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता होती है। खेलो इंडिया के माध्यम से, हमने सुनिश्चित किया है कि वित्तीय बाधाओं के कारण प्रतिभा पीछे न छूट जाए। खेलो इंडिया के अंतर्गत महिला फुटबॉल लीग अरुणाचल प्रदेश के मोनिगोंग जैसे दूरदराज के इलाकों तक भी पहुंच गई है, इससे संगठित खेल गतिविधियों से अछूते क्षेत्रों में खेल भागीदारी को बढ़ावा मिला है।

पैरा-एथलीटों के लिए, खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने एक समावेशी मंच प्रदान किया है, जिसके तहत अब कई एथलीट पैरालिंपिक जैसे वैश्विक आयोजनों के लिए क्वालिफाई कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, इस पहल ने योगासन, मल्लखंब, कलारीपयट्टू, थांग-ता और गतका जैसे स्वदेशी खेलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है तथा उन्हें खेलो इंडिया यूथ एंड यूनिवर्सिटी गेम्स में एकीकृत करके उनके संरक्षण और विकास को सुनिश्चित किया है। स्वदेशी खेलों को और बढ़ावा देने के लिए कबड्डी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों के लिए भारत-आधारित अंतर्राष्ट्रीय महासंघों की स्थापना करने का प्रयास किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विश्व चैंपियनशिप का आयोजन करना और अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजनों में उनके समावेशन की दिशा में कार्य करना है। कोचिंग व्यवस्था को और अधिक पेशेवर बनाने के लिए, हमने पूरे भारत में 1000 से अधिक खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) में संरक्षक के रूप में भूतपूर्व चैंपियन एथलीटों (पीसीए) का एकीकरण सुनिश्चित किया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) पटियाला में निःशुल्क प्रमाणन पाठ्यक्रमों के माध्यम से, ये पूर्व अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय एथलीट अब भारत की प्रशिक्षण पारिस्थितिकी व्यवस्था में योगदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि अगली पीढ़ी उनके अनुभव और विशेषज्ञता से लाभान्वित हो।

जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, खेलो इंडिया अभियान सिर्फ एक खेल विकास कार्यक्रम से कहीं अधिक व्यापक रूप ले चुके है; यह एक रणनीतिक पहल है जो वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने और शीर्ष 10 खेल देशों में स्थान पाने के देश के दीर्घकालिक लक्ष्य के उद्देश्य से भी जुड़ी है। अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करना इस विजन का एक महत्वपूर्ण पहलू होगा, जिसमें राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए बोली लगाने और प्रमुख वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं को भारत में लाने के लिए समर्थन देने के प्रयास किए जाएंगे।

जब हम वर्ष 2036 की ओर देखते हैं तो यह अनुभव होता है कि खेलो इंडिया का प्रभाव न सिर्फ जीते गए पदकों से है बल्कि इसने लाखों लोगों के जीवन को भी छुआ है। इसके माध्यम से जमीनी स्तर पर क्रांति लाई गई है और इसने भारतीय समाज में खेल और फिटनेस की संस्कृति को समाहित किया है और उस वक्त यह सभी उदाहरण प्रत्यक्ष होंगे। निरंतर निवेश, सहयोग और नवाचार के साथ, भारत एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने के अपने स्वप्न को साकार करने के मार्ग पर अग्रसर है।

लेखक केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं

भाप से बिजली तक का सफर: भारतीय रेल में विद्युतीकरण के 100 साल

डॉ. जयदीप गुप्ता (हि.स.)

भारतीय रेल का इतिहास नवपरिवर्तन और उन्नति की गाथा है, जो देश की प्रगति को दशार्ता है। चूंकि विद्युतीकरण की शुरूआत को 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं, इसलिए भाप इंजन से लेकर बिजली के ट्रैक्शन की बिना शोर लेकिन शक्तिशाली पावर की यह यात्रा इंजीनियरिंग की श्रेष्ठता का प्रमाण है। 3 फरवरी, 1925 को भारत ने महत्वपूर्ण घटना देखी- तत्कालीन भारतीय रेल नेटवर्क पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन की शुरूआत। विक्टोरिया टर्मिनस को कुर्ला से जोड़ने वाली यह पहली यात्रा मील का पत्थर साबित हुई, जिसने हमारे देश की जीवनरेखा के असीम भविष्य की झलक पेश की। जैसे-जैसे हम इस शताब्दी वर्ष के करीब पहुंच रहे हैं, हम न केवल एक अग्रणी तकनीकी उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं, बल्कि प्रगति की उस अदम्य भावना का भी जश्न मना रहे हैं जो भारतीय रेल की विशेषता बनी हुई है।

भाप से डीजल तकः भारतीय रेल की कहानी 1853 में एक ऐतिहासिक क्षण से शुरू हुई। बोरीबंदर (अब मुंबई) और ठाणे के बीच 34 किलोमीटर की पहली यात्रा। आयातित भाप इंजनों द्वारा संचालित इन शुरूआती ट्रेनों ने कनेक्टिविटी के एक नए युग की शुरूआत की। हालाँकि, यह 1895 में हुआ था जब भारत ने एफ-क्लास स्टीम लोकोमोटिव के साथ अपनी औद्योगिक क्षमता का प्रदर्शन किया, जो अजमेर में निर्मित होने वाला पहला स्वदेशी इंजन था। 38 टन वजनी और रु 15,869 की लागत से निर्मित यह एक नवोदित राष्ट्र की इंजीनियरिंग महत्वाकांक्षाओं का प्रतीक था। शुरूआती वर्षों में इनका महत्व होने के बावजूद भाप इंजन ने चुनौतियां पेश कीं। कोयले और पानी पर इनकी निर्भरता ने इन्हें परिचालन में बोझिल बना दिया और आधुनिक मानकों के अनुसार उनकी अक्षमता जल्द ही सामने आ गई।

20वीं सदी के मध्य में डीजल इंजनों का उदय हुआ, जिसने रेल परिवहन में क्रांति ला दी। वाईडीएम क्लास जैसे अधिक शक्तिशाली, विश्वसनीय और लागत प्रभावी डीजल इंजनों ने रेल को ऊबड़-खाबड़ इलाकों में जाने और दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने में सक्षम बनाया, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला। फिर भी, इन इंजनों की भी सीमाएँ थीं, विशेष रूप से पर्यावरणीय स्थिरता में, जिसने एक स्वच्छ और अधिक कुशल समाधान- विद्युतीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।

विद्युतीकरणः एक आदर्श बदलाव भारतीय रेल का विद्युतीकरण 1925 में शुरू हुआ, जब विक्टोरिया टर्मिनस (अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) और कुर्ला के बीच 1.5 केवी डीसी सिस्टम पर पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन चली। यह परिवर्तनकारी कदम गति, दक्षता और पर्यावरण पर कम नकारात्मक प्रभाव का अग्रदूत था। इस प्रणाली ने अपने पूर्ववर्तियों की कई अक्षमताओं को समाप्त किया, जिससे एक टिकाऊ भविष्य की नींव रखी गई। 1957 में 25 केवी एसी ट्रैक्शन को अपनाने के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जो फ्रांसीसी विशेषज्ञता से प्रेरित एक तकनीक थी। इस उन्नत तकनीक ने ऊर्जा संचरण घाटे को नाटकीय रूप से कम किया, बिजली उत्पादन में वृद्धि की तथा लंबी और तेज ट्रेनों के परिचालन को सक्षम बनाया। बर्द्धमान-मुगलसराय और टाटानगर-राउरकेला खंड इस प्रणाली को अपनाने वाले शुरूआती खंड बन गए, जिससे विद्युतीकृत रेल के विस्तार में तेजी आई। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में बदलाव करके, भारतीय रेल ने न केवल अपने संचालन को आधुनिक बनाया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए।

तकनीकी उपलब्धियांः एबीबी और उससे आगे भारतीय रेल के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण क्षण 23 जुलाई, 1993 को आया, जब एबीबी ट्रांसपोर्टेशन (स्विट्जरलैंड) के साथ एक अनुबंध के तहत भारत में अत्याधुनिक लोकोमोटिव तकनीक की शुरूआत हुई। इस समझौते के तहत, उन्नत माल और यात्री इंजनों का आयात किया गया, साथ ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से स्वदेशी विनिर्माण संभव हुआ। 5,400 एचपी की पावर आउटपुट और 180 किमी/घंटा तक की गति वाला डब्ल्यूएपी 5, 1995-96 में शुरू हुआ, जिसने अपनी ऊर्जा दक्षता और माइक्रोप्रोसेसर-आधारित नियंत्रणों के साथ रेल परिवहन में क्रांति ला दी। इसी तरह, 1996 में आए डब्ल्यूएजी 9 फ्रेट लोकोमोटिव, अपनी 6,000 एचपी क्षमता के साथ भारी भार ढोने के लिए एक बेंचमार्क बन गया। इन नवपरिवर्तनों के बाद किए गए विकास कार्यों के लिए आधार तैयार किया, जिसमें डब्ल्यूएपी7 (यात्री सेवाओं के लिए) और डब्लूएजी12बी, भारी माल परिवहन के लिए डिजाइन किया गया 12,000 एचपी फ्रेट लोकोमोटिव शामिल है। वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत ने भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। सेल्फ-प्रोपेल्ड इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयू) की सुविधा वाली यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन उन्नत प्रपल्शन सिस्टम, हल्के वजन वाली सामग्री और विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ 180 किमी/घंटा तक की गति प्रदान करती है। यह सिर्फ.एक ट्रेन नहीं है, बल्कि भारत की इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमता की भी प्रतीक है। आगे की राह : उत्प्रेरक के रूप में विद्युतीकरण भारतीय रेल विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, अतीत की उपलब्धियाँ एक महत्वाकांक्षी भविष्य के लिए खाका तैयार करती हैं। 2025 तक 97% से ज्यादा नेटवर्क के विद्युतीकरण के साथ, अब सभी मार्गों पर विद्युतीकरण को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। रेल प्रौद्योगिकी में अग्रणी देशों के साथ सहयोग और स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास में निवेश, इस यात्रा के अगले अध्याय को आकार देने का वादा करता है।

भाप से बिजली तक का सफर सिर्फ.इंजनों की कहानी नहीं है, बल्कि लचीलेपन, सरलता और दूरदर्शिता की कहानी है। प्रत्येक तकनीकी छलांग ने देश के परिवहन ढांचे को मजबूत किया है, पर्यावरण पर इसके प्रभाव को कम किया है और वैश्विक स्तर पर इसकी स्थिति को बढ़ाया है। विद्युतीकरण के फलस्वरूप भारत की रेल पटरियाँ रोशन होने के साथ एक टिकाऊ और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।

(लेखक, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य हैं।)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब में 88 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश: सौंद

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- पंजाब का माहौल उपयुक्त एंव शांतिपूर्वक है और उद्योगों की उन्नति और सहृदयता के लिए पंजाब सरकार पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही
- राज्य सरकार की नीतियां भी उद्योग समर्थकीय है और छोटे एंव मध्यवगर्यी उद्योगपति अपना कारोबार आज ही एक हल्फिया बयान दे कर शुरू कर सकते है

पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया है कि मार्च 2022 से ले कर अब तक मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में 88,014 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है। बहुत से बड़े उद्योग राज्य में अपनी इकाईयां स्थापित कर रहें हैं और कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उद्योगपति यहाँ निवेश करने में रुचि दिखा रहे है।

उन्होंने बताया कि 2022 से अब तक 5,574 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिससे 88,014 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इससे तकरीबन 4,01,217 लोगों को रोजगार मिलेगा। सौंद ने अन्य उद्योगपतियों को भी पंजाब में निवेश करने का न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की उद्योग समर्थकीय नीतियों से बड़े-बड़े औद्योगिक घराने पंजाब में अपनी इकाईयां स्थापित करने में रूचि दिखा रही है।

उद्योग और पूंजी प्रोत्साहन मंत्री ने बताया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल दौरान प्राप्त हुए कुछ प्रमुख प्रोजैक्टों में से टाटा स्टील लिमिटिड ने (2600 करोड़ रुपए), सनाथन पोलीकोट प्राईवेट लिमिटिड (1600 करोड़ रुपए), अंबुजा सीमैंटस लिमिटिड (1400 करोड़ रुपए), रुचिरा पेपरज लिमिटिड (1137 करोड़ रुपए), टोपन स्पैशलिटी फिल्मज लिमिटिड (787 करोड़ रुपए), नैसले इंडिया लिमिटिड (583 करोड़ रुपए), हैपी फोरजिंगज लिमिटिड (438 करोड़ रुपए), फरूडेनबर्ग ग्रुप (339 करोड़ रुपए), ओएकेमेटकोरप लिमिटिड (309 करोड़ रुपए) और कारगिल इंडिया प्राईवेट लिमिटिड ने (160 करोड़ रुपए) का निवेश किया है।

उन्होंने कहा कि अन्य कारोबारी भी अपना उद्योग पंजाब में शुरू करे, मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार प्रत्येक पक्ष से उद्योगपतियों का साथ देगी।

उन्होंने कहा कि निवेश के लिए पंजाब का माहौल उपयुक्त एंव शांतिपूर्वक है और उद्योगों की उन्नति और सहृदयता के लिए पंजाब सरकार पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियां भी उद्योग समर्थकीय है और छोटे एंव मध्यवगर्यी उद्योगपति अपना कारोबार आज ही एक हल्फिया बयान दे कर शुरू कर सकते है और जरूरी दस्तावेजी प्रक्रिया 3 सालों के अंदर पूरी की जा सकती है।

सौंद ने बताया कि राज्य का ₹इनवैस्ट पंजाब₹ पोर्टल अपनी कारगुजारी से 28 राज्यों में से पहला स्थान रखता है और इस पर 58 हजार के करीब छोटे और मध्यवगर्यी नए उद्योगों ने रजिस्ट्रेशन करवाई है, जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है।

पुलिस ने मुठभेड़ में बंबीहा गैंग के दो इनामी शूटर किए ढेर

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

- सीआईए इंचार्ज समेत तीन पुलिस घायल

पलवल पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो इनामी बदमाशों को ढेर कर दिया।मुठभेड़ में हुई क्रास फायरिंग के दौरान पलवल सीआईए इंचार्ज समेत तीन पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं। मुठभेड़ में मारे गए दोनों बदमाश जोरावर और नीरज उर्फ नीरिया रेवाड़ी के रहने वाले हैं। पुलिस ने उन पर एक-एक लाख का इनाम रखा था। पलवल पुलिस के मुताबिक रविवार की रात पुलिस को जोरावर और नीरिया के इलाके में होने का इनपुट मिला था। जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस को पता चला कि ये बदमाश पलवल-नूंह रोड की तरफ जा रहे हैं।

यह देख पुलिस ने उन्हें पलवल-नूंह रोड पर लालवा गांव के पास घेर लिया। पुलिस से खुद को घिरा देख जोरावर और नीरिया ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। यकायक फायरिंग से एनकाउंटर टीम में शामिल सीआईए इंचार्ज सब इंस्पेक्टर दीपक गुलिया, कुलदीप और नरेंद्र को गोलियां लग गईं। हालांकि बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने की वजह से तीनों पुलिसकर्मी बच गए।

इसके बाद पुलिस टीम भी अलर्ट मोड पर आ गई। पुलिस ने भी हथियार निकालकर बदमाशों पर फायरिंग शुरू कर दी। दोनों तरफ से थोड़ी देर तक ताबड़तोड़ गोलियां चलीं। जिसके बाद बदमाशों की तरफ से फायरिंग रुक गई। तब पुलिस को पता चला कि दोनों बदमाश मारे जा चुके हैं। इसके बाद पुलिस वहां पहुंची और उनके शव और हथियार कब्जे में ले लिए। जांच करने पर पता चला कि एक बदमाश को 2 और दूसरे को 3 गोलियां लगीं थीं। इस वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।पलवल पुलिस के मुताबिक दोनों बदमाश बंबीहा गैंग के कुख्यात गैंगस्टर नीरज फरीदपुरिया के शूटर थे। दोनों बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पलवल आए थे। पुलिस का कहना है कि बदमाशों के कुछ साथी अभी फरार हैं। उनकी भी तलाश की जा रही है।

सीआईए की टीम पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।पुलिस के मुताबिक कुछ समय पहले इन बदमाशों ने जोहरखेड़ा गांव के सरपंच मनोज और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया था। उस वक्त सरपंच मनोज और जैनपुर गांव के रॉकी को गोलियां लगी थीं।

इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर विशेष टीमें गठित की थीं। पुलिस को शक है कि ये फिर सरपंच की हत्या करने की तैयारी में थे।

बरनाला में छह तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी
बरनाला

- तीन पिस्टल, कारतूस और 306 ग्राम हेरोइन बरामद, आरोपियों पर पहले भी दर्ज हैं केस

पंजाब के बरनाला में पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। बरनाला पुलिस ने हथियार व नशा तस्करी के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग दो मामलों में यह कार्रवाई की है। पहले मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरे मामले में तीन आरोपियों को 32 बोर पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा है।

एसएसपी बरनाला संदीप कुमार मलिक ने बताया कि पुलिस लगातार अपराधियों पर कार्रवाई कर रही है। इसके तहत पुलिस ने हथियारों और नशे की बरामदगी की है। एक मामले में पुलिस ने चार आरोपी राजवीर सिंह, गुरप्रीत सिंह निवासी बरनाला, अमनिंदर सिंह निवासी धनौला और उपकार सिंह निवासी लोंगोवाल को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 306 ग्राम हेरोइन और एक वरना कार बरामद की गई। इनमें से राजवीर सिंह पर एनडीपीएस समेत 3 मामले पहले से ही दर्ज हैं। वहीं, आरोपी गुरप्रीत सिंह, अमनिंदर सिंह के खिलाफ आर्म्स एक्ट और उपकार सिंह के खिलाफ चोरी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दूसरे मामले में आर्म्स एक्ट के तहत जसविंदर सिंह और मनदीप सिंह को तीन 32 बोर पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया हैं। उनके खिलाफ पहले से ही दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को रिमांड पर लिया गया है और भी खुलासे होने की संभावना है।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के अध्ययन दल ने की पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़ से भेंट

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी), नई दिल्ली के 65वें एनडीसी कोर्स के अध्ययन दल ने आज माननीय राज्यपाल, पंजाब और प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया से भेंट की। यह दौरा एनडीसी के वार्षिक कोर्स के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रतिभागी अधिकारियों को भारत के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और प्रशासनिक तंत्र की गहरी समझ प्रदान करना है।

यहां पंजाब राजभवन में पंजाब के राज्यपाल से एनडीसी के कमांडर एयर मार्शल हरदीप बैंस एवीएसएम, वीएसएम के नेतृत्व में 65वें एनडीसी कोर्स के 17 सदस्यीय अध्ययन दल ने मुलाकात की जिसमें भारत सहित मंगोलिया, श्रीलंका, मिस्र, कोरिया गणराज्य, ओमान और रूस के सैन्य अधिकारी शामिल थे, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययन के क्षेत्र में गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरे के दौरान, प्रतिभागियों ने पंजाब राज्य के सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक परिदृश्य, शासन प्रणाली, प्रशासनिक ढांचे और कानून-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने एनडीसी के अध्ययन दल का स्वागत करते हुए भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने पंजाब के ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर प्रकाश डाला और राज्य प्रशासन की प्रमुख नीतियों एवं विकासमुखी पहलों से जुड़े मुद्दों की जानकारी दी।

अध्ययन दल के सदस्यों ने राज्यपाल के साथ विचार चर्चा के दौरान पंजाब की आंतरिक सुरक्षा, कृषि अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास, सीमावर्ती सुरक्षा और शासन के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी मंथन किया।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) प्रत्येक वर्ष ह्यराष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययनह्न पर एक विस्तृत कोर्स संचालित करता है, जिसमें वरिष्ठ सैन्य और सिविल अधिकारी भाग लेते हैं जिसमें मित्र देशों के सैन्य अधिकारी भी शामिल होते हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह और श्री अमित ढाका, निदेशक, महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पंजाब भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

केंद्रीय बजट 2025-26 में पंजाब और हरियाणा के लिए बड़े आवंटन किए गए हैं: अश्विनी वैष्णव

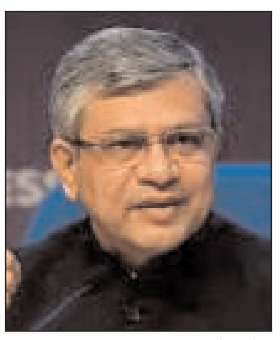

चंडीगढ़। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मीडिया से बातचीत की, जहां उन्होंने केंद्रीय बजट 2025-2026 में रेलवे के लिए की गई राज्य-विशिष्ट घोषणाओं के बारे में मीडिया को जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए 5,421 करोड़ रुपये और हरियाणा के लिए 3,416 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है, जिसे उन्होंने रिकॉर्ड आवंटन बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब में 1,122 करोड़ रुपये की लागत से 30 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं और हरियाणा में 1,149 करोड़ रुपये की लागत से 34 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तरी क्षेत्र में कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिनका काम जल्दी ही पूरा हो जायेगा। रेल मंत्री ने बताया कि सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए, केंद्रीय बजट में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय रेलवे की सुरक्षा बढ़ाने के लिए इस वर्ष व्यय के लिए 1,16,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पुरानी पटरियों को नई पटरियों में बदलने और कवच सुरक्षा प्रणाली पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। मंत्री ने नई वंदे भारत ट्रेनों और अमृत भारत ट्रेनों के शुभारंभ के बारे में भी जानकारी दी।

गुरदासपुर में पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट के साथ दो तस्कर पकड़े गए

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले में सीमावर्ती इलाके के पास मादक पदार्थ के दो संदिग्ध तस्करों को हेरोइन के एक पैकेट के साथ पकड़ा गया है। बीएसएफ के अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) के अधिकारी ने बताया कि तस्करों को उस वक्त पकड़ा गया, जब लगभग हेरोइन की 550 ग्राम की पैकेट बरामद की गई, जिसे कथित तौर पर शनिवार देर रात चंदुवडाला गांव में एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया था। उन्होंने बताया कि पैकेट में धातु का एक ह्यहुकह्न लगा हुआ मिला, जिससे पुष्टि होती है कि इसे ड्रोन से गिराया गया था। ड्रोन गतिविधि के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद बीएसएफ के जवान इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे। अधिकारी ने बताया कि आरोपी इसी गांव के रहने वाले हैं।

अमृतसर में भारत-पाक सीमा के निकट ड्रोन जब्त किया गया

चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप एक खेत से एक ड्रोन जब्त किया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ के जवानों ने रविवार को अमृतसर के सीमावर्ती इलाके में तलाश अभियान चलाया और खानवाल गांव के पास एक खेत से यह ड्रोन बरामद किया। अधिकारी ने बताया कि इस तरह, बीएसएफ जवानों ने सीमा पार से भेजे गए एक और ड्रोन को जब्त किया है।

पंजाब पुलिस द्वारा सीमावर्ती जिलों में 703 रणनीतिक स्थानों पर लगाए जाएंगे 2300 सीसीटीवी कैमरे

सिटी दर्पण
चंडीगढ़/पठानकोट

सुरक्षा के दूसरे कतार को और मजबूत करने और निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य से, पंजाब पुलिस पठानकोट से फाजिल्का तक फैले सीमा क्षेत्रों में 703 रणनीतिक स्थानों पर 2300 क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

उन्होंने कहा कि हम पठानकोट से फाजिल्का तक 703 रणनीतिक स्थानों पर 45 करोड़ रुपये की लागत से 2300 सीसीटीवी कैमरे लगाकर सुरक्षा की दूसरी कतार को और मजबूत कर रहे हैं।

डीजीपी आज पठानकोट जिले के पुलिस स्टेशन डिवीजन-1 की दूसरी मंजिल पर स्थित नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के उद्घाटन सहित जिले में पुलिस बुनियादी ढांचे से संबंधित कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने आए थे।

उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक सुविधा जटिल साइबर अपराधों से निपटने और ऑनलाइन धोखाधड़ी के पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए उन्नत तकनीक से लैस है। उन्होंने आगे कहा कि नागरिक सीधे पुलिस स्टेशन या टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 पर साइबर अपराधों की रिपोर्ट कर सकते हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने नवीनीकृत पुलिस कमांड और कंट्रोल सेंटर का भी उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य पूरे पठानकोट में आने-जाने वाले सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नजर रखकर सीमा जिले में सुरक्षा को बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि 344 एचडी कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें ऑटो नंबर प्लेट रीडर (एएनपीआर) कैमरे शामिल हैं, और सुरक्षा की दूसरी कतार, ग्रामीण क्षेत्रों और पूरे पठानकोट शहर सहित प्रमुख क्षेत्रों की लाइव कवरेज की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 357 और कैमरे लगाए जा रहे हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने पुलिस स्टेशन नरोट जैमल सिंह में पंजाब पुलिस, भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों/कर्मचारियों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता भी की।

ड्रोन और आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए उच्च स्तरीय समन्वय और प्रयासों की सराहना करते हुए, डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस, सेना, बीएसएफ और केंद्रीय एजेंसियों को पाकिस्तान-आईएसआई के निदेशों पर काम करने वाले आतंकवादियों, गैंगस्टरों और नशा तस्करों के गठजोड़ को तोड़ने के लिए एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जानकारी साझा करना बेहद आवश्यक है और इन खतरों से निपटने के लिए एजेंसियों के बीच समन्वय समय की मांग है।

उन्होंने पंजाब पुलिस और बीएसएफ के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी ड्यूटी को और प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित करने हेतु डीजीपी प्रशंसा डिस्क और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया।

डीजीपी ने पठानकोट पुलिस द्वारा आयोजित 'वड्डा खाना' दोपहर के भोजन में हिस्सा लिया। इस दौरान सभी रैंकों के अधिकारियों को पुलिस बल के प्रमुख के साथ संवाद करने और विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला, जिससे क्षेत्र में प्रभावी टीम वर्क के लिए आवश्यक संबंध मजबूत हुए।

बाद में, डीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित बीएसएफ की शहीद कमलजीत सिंह बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) का भी दौरा किया और वहां तैनात सुरक्षा बलों के साथ बातचीत की।

पठानकोट में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के उद्घाटन के मौके पर कई विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें डीआईजी बॉर्डर रेंज सतिंदर सिंह आईपीएस; डीआईजी बीएसएफ गुरदासपुर सेक्टर युवराज दुबे; खुरमी जिला एवं सत्र न्यायाधीश पठानकोट जतिंदर पाल सिंह; डिप्टी कमिश्नर पठानकोट आदित्य उप्पल आईएएस; एसएसपी अमृतसर ग्रामीण चरणजीत सिंह सोहल आईपीएस; एसएसपी गुरदासपुर हरीश दियामा आईपीएस; एसएसपी बटाला सुहेल मीर आईपीएस; एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों पीपीएस और कर्नल माल्या बाया, एसएम, कमून रेजिमेंट (आर्मी); कमांडेंट सुनील मिश्रा 121 बटालियन बीएसएफ और कमांडेंट श्री कमल यादव 58 बटालियन बीएसएफ शामिल थे।

प्रदेश महासचिव ने दिल्ली के विधानसभा हलका कालकाजी में किया प्रचार, कहा- लोगों से 'आप' को मिल रहा है प्यार और साथ

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनना तय : हरचंद सिंह बरसट

सिटी दर्पण
पटियाला

आम आदमी पार्टी (आप), पंजाब के प्रदेश महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट ने दावा किया कि 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो श्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में आम आदमी पार्टी की भारी बहुमत से सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त साफ-सुथरा प्रशासन देकर लोगों में विश्वास बनाया है। स. बरसट ने कहा कि 'आप' को लोगों से मिल रहा प्यार और साथ यह दशार्ता है कि 'आप' के सुप्रीमो श्री अरविंद केजरीवाल ने आज तक जो कहा, उसे करके दिखाया है और लोगों से किये वादे भी पूरे किये हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सिर्फ और सिर्फ विकास की बात करती है। उन्होंने कहा कि 'आप' द्वारा पिछले 10 सालों में दिल्ली वासियों की बुनियादी सुविधाओं और विकास के लिए अहम नीतियां तैयार करके लोगों के सर्वपक्षीय विकास को मुख्य रखते हुए काम किये गये हैं। उन्होंने कहा कि 'आप' द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, मुफ्त बिजली, पानी समेत विभिन्न क्षेत्रों में किये गये रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्यों से लोग बहुत खुश हैं और 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से आम आदमी पार्टी भारी बहुमत से जीत हासिल कर सरकार बनाएगी। प्रदेश महासचिव ने 'आप' के वॉलंटियरों के साथ विधानसभा हलका कालकाजी में मुख्यमंत्री आतिशी, जो कि कालकाजी से 'आप' की उम्मीदवार हैं, के पक्ष में विभिन्न इलाकों के पार्कों में जाकर प्रचार किया और 'आप' सरकार द्वारा दिल्ली और पंजाब में किये गये मिसाली कार्यों के बारे में जानकारी दी और आम आदमी पार्टी को वोट देकर भारी बहुमत से जीत दिलाने की अपील की गई। इस मौके पर सुमनदीप कौर ज्वाइंट सेक्रेटरी विधानसभा महिला विंग कालकाजी, सागर, रीतू, गौरी, कंचन, रजनी संधू, परवीन, सुनील चौधरी, संदीप पवार, राहुल, रीतू नरूला, कंचन गुलाटी, अनु, पूजा, रणजीत, जसप्रीत, दीपा, आरती, सायरा, साजिदा, सोनू, अंशुला, सुमन शर्मा, ईश्वर भारद्वाज, ज्योति, अनिल सहित अन्य वॉलंटियर भी मौजूद रहे।

22.68 लाख बुजुर्ग लाभार्थियों को 3,368.89 करोड़ रुपये की पेंशन राशि वितरित: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- पंजाब सरकार ने बुढ़ापा पेंशन योजना के लिए चालू वर्ष में 4,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा बुजुर्ग पेंशनधारकों को दिसंबर 2024 तक की पेंशन राशि के रूप में 3,368.89 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं।

इस संबंध में और जानकारी देते हुए समाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 34 लाख लाभार्थी हैं, जिनमें बुजुर्ग, दिव्यांगजन, विधवाएं, बेसहारा महिलाएं और आश्रित बच्चे शामिल हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य में कुल 22.68 लाख बुजुर्ग लाभार्थी हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 तक 3,368.89 करोड़ रुपये की पेंशन राशि वितरित की जा चुकी है।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार ने विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए कुल 5,924.50 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है, जिसमें से चालू वित्तीय वर्ष के दौरान बुढ़ापा पेंशन के लिए 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुष और 58 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाएं, जिनकी वार्षिक आय 60,000 रुपये से अधिक न हो, इस योजना का लाभ उठाने के पात्र हैं।

मंत्री ने बताया कि वित्तीय सहायता की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार बुजुर्गों के कल्याण के लिए निरंतर सक्रिय है। राज्य में बुजुर्गों के स्वास्थ्य सर्वेक्षण से संबंधित कार्य किया जा रहा है।

उत्तराखंड में स्कूली शिक्षा में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक नए विषय शामिल

विकासखंड स्तर पर भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल होगा विद्यालय खुलने व बंद होने का समय

एजेंसी (हि.स.)

देहरादून

उत्तराखंड में स्कूली शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप नया स्वरूप दिया जा रहा है। अब प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर छात्रों को अधिक विषयों का अध्ययन करना होगा। राज्य पाठ्यचर्या की स्टीयरिंग कमेटी ने इस ड्राफ्ट को अनुमोदित कर दिया है, जिसे अंतिम स्वीकृति के लिए शासन को भेजने की तैयारी है।

ननूरखेड़ा स्थित सभागार में अपर निदेशक एससीईआरटी प्रदीप रावत की अध्यक्षता में राज्य पाठ्यचर्या का ड्राफ्ट स्टीयरिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अनुमोदित ड्राफ्ट के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर अब तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को सात विषय पढ़ाए जाएंगे। इनमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, हमारे चारों ओर का संसार,

रटने की प्रणाली की जगह समझ आधारित शिक्षा पर जोर दिया गया

कला शिक्षा और शारीरिक शिक्षा शामिल हैं। इससे पहले इन कक्षाओं में केवल हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, पर्यावरण और गणित की पढ़ाई होती थी। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक स्तर पर छठी से आठवीं कक्षा तक उच्च प्राथमिक स्तर पर कुल नौ विषयों को शामिल किया गया है। इनमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य, और व्यावसायिक शिक्षा प्रमुख हैं।

इसके अलावा, छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से भी पढ़ाई की सुविधा दी जाएगी, जिससे अनुपस्थित रहने पर उनकी शिक्षा बाधित न हो।

फोटोः हि.स.

नौवीं व 10वीं कक्षा में गणित अनिवार्य स्कूल शिक्षा के तहत नौवीं व 10वीं में गणित विषय अनिवार्य किया गया है, लेकिन इसका मूल्यांकन सामान्य और उच्च स्तर पर किया जाएगा। जो छात्र गणित का सामान्य अध्ययन करना चाहते हैं, उनका मूल्यांकन सामान्य स्तर पर किया जाएगा, ताकि गणित में कम रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को गणित बोझ न लगे। नौवीं व 10वीं कक्षा में 10 विषय हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य, अंतर विषयक क्षेत्र की शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा शामिल किए गए हैं। 11वीं व 12वीं कक्षा में उत्तराखंड बोर्ड की ओर से वर्तमान में संचालित सभी विषयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप नए विषय समूह के अनुरूप अध्ययन का विकल्प यथावत रहेगा।

स्कूल समय भौगोलिक विषमता के अनुरूप विद्यालय का समय व समय विभाजन चक्र प्रदेश की भौगोलिक विषमता के अनुरूप बनाया जा सकेगा। विकासखंड स्तर पर विद्यालय खुलने व बंद होने का समय भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल होगा। लेकिन, विद्यालय में पठन-पाठन के लिए निर्धारित समय में किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाएगी। विद्यालय शिक्षा के पाठ्यक्रम में पहली बार व्यावसायिक शिक्षा को जोड़ा गया है, ताकि शिक्षा रोजगारपरक हो और उन्हें करियर बनने में साहयता मिल सके। रटने की प्रणाली की जगह समझ आधारित शिक्षा पर जोर दिया गया है। शिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन के लिए सेवारत प्रशिक्षण के माध्यम से 50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास किया जाएगा।

व्यावसायिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित किया गया है। इसके अलावा स्थानीय व्यवसायों की संभावना को देखते हुए पाठ्यक्रम में मशरूम उत्पादन, डेरी, कुक्कुट पालन, हेरिटेज टूर गाइड, ब्यूटी थेरेपिस्ट, मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, सहायक, बागवानी, फूलों की खेती, भेड़-बकरी पालन, बेकरी आदि शामिल किए गए हैं।

सऊदी अरब ने भीख मांगते पकड़े गए 10 पाकिस्तानियों को वापस भेजा

एजेंसी (हि.स.)

कराची

पाकिस्तान के लोगों की हज या उमराह के नाम पर सऊदी अरब जाकर वहां भीख मांगने की प्रवृत्ति से देश को बार-बार शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।इसे रोकने को लेकर सऊदी शासन अब सख्त हो गया है। सऊदी अरब ने भीख मांगने वाले पाकिस्तानियों को पकड़ कर वापस उनके देश भेजना शुरू कर दिया है।

हाल ही में उमराह वीजा पर सऊदी पहुंचे 10 ऐसे पाकिस्तानियों को वापस उनके देश भेज दिया जो वहां भीख मांगते हुए पकड़े गए थे। अपनी किरकिरी को देखते हुए पाकिस्तान ने इन सभी को वापस पहुंचते ही हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया। जीयो न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी फेडरल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी (एफआईए) ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि सऊदी अरब ने उमराह वीजा पर वहां जाकर भीख मांग रहे 10 पाकिस्तानियों को वापस भेज दिया है। कराची स्थित जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते ही इन सभी को हिरासत में ले लिया गया। ये सभी पिछले कई महीनों से सऊदी अरब में भीख मांग रहे थे। इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें

फोटोः हि.स.

कराची एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सर्किल भेजा दिया गया है।

एफआईए का कहना है कि एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और विदेश यात्रा के लिए जा रहे यात्रियों की कड़ाई से चेकिंग की जा रही है। जिन लोगों पर शक हो रहा है कि वे भिखमंगी के लिए विदेश जा रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कई सालों से खाड़ी के देश पाकिस्तान के भिखारियों से परेशान हैं। खासकर कोरोना के बाद इनकी संख्या में भारी इजाफा हुआ है। पिछले साल भी सऊदी अरब ने पाकिस्तान से इसकी शिकायत की थी, ओवरसीज अधिकारियों की बैठक में सऊदी अरब ने पाकिस्तान से हज कोटा में सावधानी बरतने और भिखारियों को नहीं भेजने को कहा था। सऊदी का कहना है कि उसकी जेलें ऐसे लोगों से भर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब में करीब 25 लाख पाकिस्तानी रहते हैं और कुल प्रवासियों के मामले में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। हाल के वर्षों में काफी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक सऊदी अरब में भीख मांगते हुए पाए गए हैं। सऊदी अरब में भीख मांगना कानूनन जुर्म है जिसके लिए कैद की सजा के साथ-साथ भारी-भरकम जुर्माने का प्रावधान है।

2021 में भीख मांगने पर रोक लगाने के लिए सऊदी अरब ने कड़ा कानून लागू किया था, जिसके तहत भीख मांगने या भिखमंगों का ग्रुप मैनेज करने के लिए अधिकतम एक साल की सजा और एक लाख सऊदी रियाल (23 लाख 23 हजार 261 रुपये) जुर्माने का प्रावधान है। अगर कोई भीख मांगने वालों को किसी तरह से बढ़ावा देता है या उसकी पैसे से मदद करता है तो उसे अधिकतम छह महीने की जेल और 50 हजार सऊदी रियाल का जुर्माना देना पड़ सकता है। सजा और जुर्माना भरने के बाद उसे वापस उसके देश भेजा जाता है। ऐसे सजायाफ्ता कभी सऊदी में लौटकर काम नहीं कर सकते।

जनता बनाम प्रशासन होने जा रहा मिल्कीपुर उपचुनावः अखिलेश यादव

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव प्रचार के अंतिम दिन मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी अजीत प्रसाद के पक्ष में प्रचार करने उतरें। इस दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव नहीं है, चुनौती है। यह उपचुनाव जनता बनाम प्रशासन होने जा रहा है।

सोमवार को अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कहा, महाकुम्भ में हम लोगों ने सौ करोड़ लोगों के आने का इंतजाम किया है। करोड़ों की बात करते रहे और अब मौत के सही आकड़ें नहीं बता पा रहे हैं। लोकसभा चुनाव का परिणाम याद कर भाजपा वालों को नींद नहीं आती है। जब वे करवट लेते हैं तो उनको अयोध्या में हार याद आ जाती है। मिल्कीपुर के लोगों ने कभी समाजवादी पार्टी का साथ नहीं छोड़ा है, इसीलिए यहां का चुनाव बाद में कराने को तय कराया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए आज नामांकन का अंतिम दिन

रायपुर। छत्तीसगढ़ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नामांकन भरने का आज (सोमवार) अंतिम दिन है। जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच के लिए उम्मीदवार आज सुबह साढ़े 10 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन फार्म भर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रदेश में 433 जिला पंचायत सदस्य, 2,973 जनपद पंचायत सदस्य, 11,672 ग्राम पंचायत सरपंच और 1,60,180 ग्राम पंचायत पंच का चुनाव बैलट पेपर से होगा। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं ताकि सभी उम्मीदवारों को नामांकन करने में किसी प्रकार को कोई परेशानी न हो। साथ ही, चुनाव आयोग द्वारा सभी उम्मीदवारों को चुनावी दिशा-निदेर्शों का पालन करने की अपील की गई है।

राजस्थान विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पेश

एजेंसी (हि.स.)

जयपुर

राजस्थान विधानसभा में सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने धर्मांतरण विरोधी विधेयक 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025' प्रस्तुत किया। इस विधेयक पर बजट सत्र में चर्चा के बाद इसे पारित किया जाएगा। विधेयक के पारित होने की तिथि बाद में तय की जाएगी। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने पर भी कलेक्टर को सूचना देना अनिवार्य होगा। इच्छानुसार धर्म परिवर्तन करने के लिए 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देना आवश्यक होगा और यह प्रक्रिया अपनाना अनिवार्य होगी। विधेयक में 'लव जिहाद' के खिलाफ भी प्रावधान किए गए हैं। विधेयक में 'लव जिहाद' को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन के लिए विवाह करता है, तो इसे 'लव जिहाद' माना जाएगा। यदि यह प्रमाणित होता है कि विवाह का उद्देश्य धर्म परिवर्तन है, तो ऐसे विवाह को रद्द करने का प्रावधान किया गया है। पारिवारिक न्यायालय इस प्रकार के विवाह को अमान्य घोषित कर सकता है। प्रस्तावित विधेयक में पहली बार गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन करवाने पर एक से पांच साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। यदि किसी नाबालिग या अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी-एसटी) का जबरन धर्म परिवर्तन करवाया जाता है, तो इसके लिए तीन से दस साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा, समूह में धर्म परिवर्तन करवाने या बार-बार धर्म परिवर्तन करवाने पर भी कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। राजस्थान के संसदीय कार्य और कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने विधेयक पेश होने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में धर्मांतरण विधेयक की आवश्यकता लंबे

फोटोः हि.स.

समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने बताया कि हमारे राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में यह विधेयक बेहद जरूरी था। प्रलोभन, कपटपूर्ण साधन या विवाह के जरिए धर्म परिवर्तन की घटनाओं को रोकने के लिए इसे लाया गया है। कई संस्थाएं और व्यक्ति आर्थिक प्रलोभन देकर या गलत प्रचार करके धर्म परिवर्तन करवा रहे थे। यह समस्या आदिवासी इलाकों समेत कई क्षेत्रों में देखी गई है। इन सभी गतिविधियों की रोकथाम के लिए यह विधेयक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सख्त कानून बनने के बाद ऐसी गतिविधियां रुक जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में किसी भी बहन-बेटी या व्यक्ति के साथ अन्याय न हो और उनकी इच्छा के खिलाफ कुछ भी न किया जाए। मेरा मानना है कि इस सख्त कानून के कारण धर्म परिवर्तन की घटनाएं बंद हो जाएंगी।

संक्षिप्त-समाचार

बिहार कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद के बेटे ने की खुदकुशी

पटना। बिहार कांग्रेस कांग्रेस विधायक दल के नेता विधायक शकील अहमद खान के बेटे अयान (18) ने पटना में सरकारी आवास में आत्महत्या कर ली। एफएसएल की टीम घटनास्थल पर तथ्य एकत्र कर रही है। सचिवालय डीएसपी ने आत्महत्या की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच जारी है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। विधायक शकील अहमद खान गर्दनीबाग में विधायक आवास में रहते हैं। वहीं पर बेटे ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या की। शकील अहमद खान के अयान इकलौते पुत्र थे। अब केवल उनके पास एक बेटी है। शकील खान फिलहाल बिहार से बाहर हैं। उन्हें बेटे की मौत की खबर दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों राहुल गांधी के बिहार दौरे पर शकील अहमद ने मंच पर ही बेटे को राहुल से मिलवाया था। बेटे ने राहुल गांधी को कुछ दस्तावेज सौंपे थे। शकील अहमद खान कटिहार जिले के कदवा विधानसभा सीट से विधायक हैं । शकील अहमद खान बिहार कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते हैं। पप्पू यादव ने जताया दुखकांग्रेस विधायक के बेटे के निधन पर पुर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि एक अत्यंत दुःखद सूचना से मर्माहत हूं। मेरी पूरी संवेदना शकील भाई और उनके परिजनों के साथ है। लेकिन एक पिता माता के लिए ढांढस के कोई शब्द नहीं है मेरे पास। ऊपर वाला उन्हें धैर्य और संयम दे।

जापान ने नई पीढ़ी के एच3 रॉकेट से नेविगेशन उपग्रह किया लॉन्च

टोक्यो। जापान ने अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को और मजबूत करते हुए रविवार को एच3 रॉकेट के माध्यम से एक महत्वपूर्ण नेविगेशन उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया। यह उपग्रह जापान की अधिक सटीक और स्वायत्त स्थान निर्धारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। मिचिबिकी-6 नामक इस उपग्रह को तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया, जो जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप पर स्थित है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (खअअ) ने पुष्टि की कि लॉन्च के सभी चरण सफलतापूर्वक पूरे हुए और उपग्रह को सही कक्षा में स्थापित कर दिया गया। वर्तमान में जापान की अर्ध-जेनिथ उपग्रह प्रणाली (देरर) चार उपग्रहों के साथ कार्यरत है, जिसे 2018 में पूरी तरह सक्रिय किया गया था। यह प्रणाली अमेरिकी जीपीएस तकनीक के साथ मिलकर स्मार्टफोन, ऑटोमोबाइल, समुद्री नेविगेशन और ड्रोन संचालन के लिए उच्च-स्तरीय स्थान संबंधी जानकारी प्रदान करती है। जापान मार्च 2026 तक सात उपग्रहों का नेटवर्क विकसित करने के लिए दो और उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा। इसके अलावा, 2030 के दशक के अंत तक 11 उपग्रहों का पूर्ण नेटवर्क स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिससे जापान की नेविगेशन प्रणाली और भी सटीक और आत्मनिर्भर हो जाएगी। यह प्रक्षेपण जापान के अंतरिक्ष अन्वेषण और तकनीकी नवाचार में बढ़ती ताकत को दशार्ता है। भविष्य में, यह प्रणाली वैश्विक स्तर पर संचार और नेविगेशन सेवाओं को नया आयाम देने में योगदान दे सकती है।

बसंत पंचमी पर्व पर काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी, किया दान-पुण्य

वाराणसी। बसंत पंचमी पर्व पर सोमवार को काशीपुराधिपति की नगरी में लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगाघाटों पर दानपुण्य कर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। पर्व पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु आधी रात के बाद से ही घाटों पर पहुंचने लगे थे। तड़के से ही गंगा स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। पर्व पर गंगा स्नान के लिए उमड़ रही भीड़ की सुरक्षा के लिए जल पुलिस के साथ एनडीआरएफ के जवान घाटों पर मुस्तैद है। गंगा तट से लेकर दशाश्वमेध और गोदौलिया चौराहे तक स्नान के लिए आए श्रद्धालुओं के चलते मेले जैसा नजारा दिखा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर शहर में जगह-जगह बैरिकेडिंग और यातायात प्रतिबंधित किया गया है। स्नान के लिए प्राचीन दशाश्वमेध घाट, शीतलाघाट, पंचगंगा, अहिल्याबाई, अस्सी, तुलसीघाट, खिड़किया घाट, भैसासुर, सामने घाट पर सर्वाधिक भीड़ रही। स्नान- ध्यान के बाद श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ,कालभैरव के दरबार में हाजिरी लगाई। बताते चले माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि रविवार को सुबह 09.14 पर ही लग गई। लेकिन उदया तिथि का मान होने के चलते श्रद्धालुओं ने सोमवार को गंगा स्नान किया।

फोटोः हि.स.

सड़क रोककर बर्थडे मानने के मामले में चीफ जस्टिस ने जताई नाराजगी, शासन से मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने रायपुर में आधी रात कार रोक बर्थडे मनाए जाने के मामले में नाराजगी जताई है। प्रकाशित खबर को संज्ञान लेकर आज सोमवार को सुनवाई के दौरान कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने कहा एक आम आदमी के मामले में, आप उसे कड़ी सजा देंगे और उसे जेल में पाएंगे, और यह व्यक्ति क्या कर रहा है? वह एक साक्षर व्यक्ति है। क्या कार्रवाई की है। अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर ने बताया मोटर वाहन अधिनियम की धारा 122 के तहत कार्रवाई की है। जिसमें 300 रुपए का चलान काटा गया है। इस मामले में गंभीरता को नजरअंदाज करने पर चीफ जस्टिस ने नाराजगी जताई है। कोर्ट ने उस अधिकारी के खिलाफ सस्पेंड सहित विभागीय कार्रवाई के लिए कहा है। उन्होंने कहा यह स्थिति है, और आप चाहते हैं कि राज्य में कानून का शासन हो। क्या इससे यह पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन है। इस मामले में शासन से जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 30 जनवरी 2025 को प्रकाशित खबर में रायपुरा चौक के पास बीच सड़क कार रोककर बर्थडे पार्टी मानने को लेकर वीडियो वायरल की जानकारी दी थी। केक काटने के बाद आतिशबाजी भी की गई। इस बीच सड़क में दो कार को बीच सड़क पर खड़ा कर कार की बोनट में केक रखकर काटा गया, जिससे सड़ के दोनों ओर जाम भी लग गया। इस पूरे मामले को लेकर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल की बैंच ने संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की और शासन से जवाब मांगा है।

पूर्व गारो उग्रवादी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

ईस्ट गारो हिल्स (मेघालय)। अचिक नेशनल वॉलंटियर्स काउंसिल (विभाजित गुट) के पूर्व उग्रवादी को ईस्ट गारो हिल्स में पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया और उसके पास से एक अवैध पिस्तौल बरामद की गई। ईस्ट गारो हिल्स के पुलिस प्रमुख एसए रिन्जाह ने आज बताया कि अवैध हथियार और गोला-बारूद की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। इस दौरान पुलिस ने रोंगजेंग थाना क्षेत्र के सिलचंगगिट्टिम गांव के 44 वर्षीय पूर्व उग्रवादी मेक्सबल के मराक उर्फ मेनिल की पहचान की, जिसके पास अवैध हथियार था। उसे बारिंगग्रे चाम्बिलडाम से पकड़ा गया और उसके पास से एक 7.65 एमएम की चीन निर्मित पिस्तौल बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह 2008 में एएनवीसी-बी उग्रवादी समूह में शामिल हुआ था और 2015 में शांति समझौते के दौरान आत्मसमर्पण कर दिया था। बीते एक सप्ताह में ईस्ट गारो हिल्स में यह दूसरी बार हथियार बरामद हुए हैं। कुछ दिन पहले, रोंगजेंग में जंगल के ठिकाने से जीएनएलए गुट के सैकड़ों जिंदा एके कारतूस और मोर्टार के गोले बरामद किए गए थे।

कांगो में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति, भारतीय दूतावास ने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी

एजेंसी (हि.स.)

जोहान्सबर्ग

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर किंशासा स्थित भारतीय दूतावास ने बुकावु में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। दूतावास ने जारी परामर्श में बताया कि एम23 विद्रोही समूह बुकावु से मात्र 20-25 किलोमीटर की दूरी पर पहुंच चुका है, जिससे वहां की स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है। इस परिदृश्य को देखते हुए भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे जल्द से जल्द सुरक्षित स्थानों की ओर प्रस्थान करें। दूतावास ने आपातकालीन स्थिति में संपर्क के लिए हेल्पलाइन नंबर (+243 - 890024313) और एक ईमेल आईडी जारी की है। साथ ही, भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और यात्रा से बचने की कड़ी सलाह दी गई है। परामर्श में यह भी स्पष्ट किया गया है कि फिलहाल हवाई अड्डे, सीमाएं और वाणिज्यिक मार्ग खुले हैं, जिससे भारतीय नागरिक सुरक्षित स्थानों पर पहुंच सकते हैं। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, गोमा में लगभग 1,000 भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनमें से अधिकांश ने संघर्ष शुरू होते ही सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर लिया था। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत करीब 1,200 भारतीय सैनिक कांगो में सेवा दे रहे हैं। भारतीय दूतावास लगातार हालात पर नजर रख रहा है और आवश्यकतानुसार नागरिकों को मदद पहुंचाने के लिए तैयार है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे सतर्क रहें और अनावश्यक जोखिम न लें।

फोटोः हि.स.

मणिपुर में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) कैडर गिरफ्तार, हथियार और शराब जब्त

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के अलावा विस्फोटक एवं मादक सामग्रियां बरामद की हैं। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात पुलिस टीम ने केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय सदस्य लाईहाओथाबम नानाओ शर्मा उर्फ पुरेम्बा (29) को इंफाल वेस्ट जिले के लमफेल सुपर मार्केट से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित इंफाल क्षेत्र में आम जनता, सरकारी अधिकारियों और दुकानदारों से जबरन वसूली में शामिल था। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड बरामद किया गया। दूसरी ओर, चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के माताजंग गांव और आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान के दौरान एक खाली इंसास मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और एक एके राइफल की चली हुई गोली (टिप) बरामद की गई। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस द्वारा उठाए गए निवारक उपायों के तहत इंफाल ईस्ट जिले के हेंगांग थाना क्षेत्र के पंगेई बाजार से 41.5 लीटर डीआईसी शराब और 39 बोतलें (180मिली, व्हिस्की) जब्त की गईं।

धुम्रपान से बिस्तर में लगी आग में जिंदा जलने से डॉक्टर की मौत

एजेंसी (हि.स.)

जालोर

बिशनगढ़ थाना इलाके के उम्मेदाबाद में आयुर्वेद अस्पताल में डॉक्टर जिंदा जल गये। रविवार रात को अचानक यह हादसा हुआ, इससे डॉक्टर सोते समय जिंदा जल गए। पुलिस ने बताया कि स्मोकिंग के कारण यह हादसा हुआ। स्मोकिंग के कारण बिस्तर में आग लगी और डॉक्टर इसकी चपेट में आ गए। उम्मेदाबाद के आयुर्वेद अस्पताल में जयपुर निवासी 45 वर्षीय डॉक्टर मुरारीलाल मीणा चार साल से कार्यरत थे। वे यहां अस्पताल परिसर में ही पीछे बने कमरे में परिवार सहित रहते थे। परिवार में किसी की शादी को लेकर दो महीने पहले ही परिजन जयपुर गए थे। इस कारण डॉक्टर मुरारीलाल मीणा इन दिनों अकेले रह रहे थे। रविवार को भी वे अकेले ही थे। इसी दौरान रात को अचानक आग लग गई और वे जिंदा जल गए। बिशनगढ़ थानाधिकारी निंबाराम ने बताया कि उम्मेदाबाद में आयुर्वेद अस्पताल में

फोटोः हि.स.

रविवार रात को अचानक आग लग गई। इससे परिसर में बने कमरे में सो रहे जयपुर के करतारपुरा के भगवती नगर निवासी डॉक्टर मुरारीलाल मीणा जिंदा जिल गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे डीएसपी गौतम जैन और बिशनगढ़ पुलिस ने मौका मुआयना किया। थानाधिकारी ने बताया कि डॉक्टर मुरारीलाल उम्मेदाबाद में 2021 से कार्यरत थे। पहले इनका परिवार भी साथ रहता था। लेकिन कुछ समय पहले किसी परिजन की शादी को लेकर परिवार अभी जयपुर में है। जिससे अभी डॉक्टर यहां अकेले ही रहते थे।

ओली सरकार के छह अध्यादेशों के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने संसद में पेश किये 50 से अधिक प्रस्ताव

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कैबिनेट में लाए गए छह अलग-अलग अध्यादेशों के खिलाफ विपक्षी मोर्चा के सांसदों ने पचास से अधिक अस्वीकार प्रस्ताव संसद में पेश किये हैं। सरकार के इन अध्यादेशों पर मंगलवार से चर्चा और वोटिंग होनी है। संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी ने सोमवार को बताया कि सुशासन प्रवर्द्धन तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाह संबंधी कानून के बदलाव लाने के लिए पेश किए गए अध्यादेश को वापस लेने की मांग करते हुए अलग-अलग दलों के 9 सांसदों हितराज पाण्डे, दुर्गा राई, शिशिर खनाल, भानुभक्त जोशी, ज्ञानु बस्नेत सुवेदी, रेखा शर्मा, प्रेम सुवाल, सुमना श्रेष्ठ और स्वर्णिम वाग्ले ने अस्वीकार प्रस्ताव पेश किये हैं। इसी तरह आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व अध्यादेश अस्वीकृत करने के लिए 6 सांसदों ने अस्वीकार प्रस्ताव पेश किया है। इनमें स्वर्णिम वाग्ले, विराजभक्त श्रेष्ठ, वर्षमान पुन, छिरिङ डम्डुल लामा, प्रकाश ज्वाला, नारायणी शर्मा और प्रेम सुवाल हैं।

फोटोः हि.स.

प्रवक्ता के मुताबिक निजीकरण कानून को संशोधन करने लिए जारी अध्यादेश कोअस्वीकार करने के लिए सात सांसदों ने अस्वीकार प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव को पेश करने वालों में माधव सापकोटा, उर्मिला माझी, सूर्यमान तामाङ दोङ, छिरिङ ल्हामु लामा, मेटमणी चौधरी, प्रेम सुवाल और सुमना श्रेष्ठ हैं।इसी तरह आर्थिक तथा व्यावसायिक वातावरण सुधार एवं निवेश अभिवृद्धि सम्बन्धी कानून के संशोधन के लिए लाए गए अध्यादेश को अस्वीकार करने का प्रस्ताव पेश करने वाले सांसदों में शक्ति बहादुर बस्नेत, महेन्द्र बहादुर शाही, रणेन्द्र बराली, भानुभक्त जोशी, नारायणी शर्मा और प्रेम सुवाल हैं। दरअसल, बीते शुक्रवार को सरकार की तरफ से सभी 6 अध्यादेश प्रतिनिधि सभा से अनुमोदन करने के लिए पेश किये गए थे। इस पर मंगलवार से चर्चा और वोटिंग होनी है।

गत वर्ष के आयोजन में 78,974 विद्यालयों के 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने लिया था भाग

प्रदेशभर में एक ही समय पर हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम

एजेंसी (हि.स.)

जयपुर

सूर्योपासना के महापर्व सूर्य सप्तमी के विशेष अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

प्रदेशभर के राजकीय व निजी विद्यालयों में बच्चे, शिक्षक व आमजनों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर भारतीय पारंपरिक योग प्रणाली द्वारा स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया। शिक्षा एवं पंचायतराज मंत्री मदन दिलावर ने सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा कि इस शुभ अवसर पर हमारी सरकार के निदेर्शानुसार प्रदेश के समस्त सरकारी एवं निजी विद्यालयों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालयों के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कार्यरत कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह आयोजन योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा। मेरा आप सभी से विनम्र आग्रह है कि प्रतिदिन सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक उन्नति एवं सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। नियमित सूर्य नमस्कार से जीवन में स्फूर्ति, चेतना एवं दृढ़ संकल्प का विकास होता है।

फोटोः हि.स.

हम सब मिलकर इस प्राचीन भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाएं और एक स्वस्थ राजस्थान, विकसित राजस्थान के निर्माण में अपना योगदान दें। उल्लेखनीय है की पिछले वर्ष राज्य में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। पिछले वर्ष के रिकॉर्ड को देखते हुए इस बार के आयोजन में अधिक उत्साह रहा। राज्य के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में प्रातः 9 बजे एक साथ सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने एसएमएस स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार किया।

पिछली बार आयोजन में 78,974 विद्यालयों के 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस बार सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्कूल स्टाफ, एसएमसी, एसडीएमसी के सदस्यों के साथ अभिभावक एवं आमजन भी इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बने। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निदेर्शानुसार इस बार कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को भी सूर्य नमस्कार का भागीदार बनाया गया। छोटे बच्चों को यथा शक्ति सूर्य नमस्कार के दो से तीन चरण ही कराए गए। क्रीड़ा भारती संस्था ने सूर्य नमस्कार में सभी विद्यालयों एवं शिक्षक संस्थाओं का सहयोग किया।

चार भारतीय आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चयनित

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर जीता अंडर-19 विश्व कप का खिताब

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

चार भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चुना गया है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था। टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट गोंगडी त्रिशा हैं, जिन्होंने शीर्ष क्रम में 309 रन बनाए। त्रिशा को फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, उन्होंने गेंद से 15 रन देकर तीन विकेट लिए और फिर नाबाद 44 रन बनाए, जिससे भारत ने नौ विकेट से खिताबी जीत हासिल की। टीम में उनके साथ साथी ओपनर जी कमलिनी भी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में 143 रन बनाए, और गेंदबाज आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा भी हैं।

वैष्णवी ने टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए, जिसमें बेयुमास ओवल में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के दो विकेट भी शामिल हैं, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है, जबकि 17 वर्षीय आयुषी 14 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। दक्षिण अफ्रीका, जो दो साल पहले सुपर सिक्स चरण से आगे बढ़ने में विफल रहा था, की दो खिलाड़ियों को नामित किया है। 11 विकेट लेने के बाद कायला रेनेके को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि जेम्मा बोथा - जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 24 गेंदों पर 37 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी - को त्रिशा के साथ ओपनिंग के लिए चुना गया है। तेज गेंदबाज नथाबिसेंग निनी को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। इंग्लैंड (जिसे दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने हराया था) की डेविना पेरिन (टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी 176 रन) और विकेटकीपर कैटी जोन्स को भी टीम में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया की काओइमहे ब्रे पांचवें नंबर पर हैं, जबकि मध्यक्रम में नेपाल की कप्तान और ऑलराउंडर पूजा महतो हैं, जिन्होंने 70 रन बनाए और नौ विकेट लिए - जिसमें मलेशिया के खिलाफ नौ रन देकर चार विकेट शामिल हैं। टीम में श्रीलंका की गेंदबाज चामोदी प्रबोदा शामिल हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में नौ विकेट लिए। निर्णायक पैनल में कमेंटेटर जूलिया प्राइस, एचडी एकरमैन, रौनक कपूर और आईसीसी मैनेजर (महिला क्रिकेट) स्नेहल प्रधान शामिल थे।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट इस प्रकार है

जी त्रिशा (भारत), जेम्मा बोथा (दक्षिण अफ्रीका), डेविना पेरिन (इंग्लैंड), जी कमलिनी (भारत), काओइमहे ब्रे (ऑस्ट्रेलिया), पूजा महातो (नेपाल), कायला रेनेके (कप्तान) (दक्षिण अफ्रीका), केटी जोन्स (विकेट कीपर) (इंग्लैंड), आयुषी शुक्ला (भारत), चामोदी प्रबोदा (श्रीलंका), वैष्णवी शर्मा (भारत), नथाबिसेंग निनी (दक्षिण अफ्रीका)।

सर्विसेज ने पुरुष वॉलीबॉल खिताब जीता, महिला वर्ग में केरल ने जीता स्वर्ण

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

फोटोः हि.स.

38वें राष्ट्रीय खेलों की वॉलीबॉल प्रतियोगिता का रविवार को शिवालिक हॉल, रुद्रपुर में समापन हो गया। पांच दिनों के कड़े मुकाबलों के बाद पुरुषों के फाइनल में, सर्विसेज ने केरल को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि महिलाओं के फाइनल में, केरल ने रोमांचक मुकाबले में तमिलनाडु को 3-2 से हराकर चैंपियनशिप हासिल की।

पुरुष वर्ग

पुरुषों के फाइनल में, सर्विसेज ने केरल पर 3-1 से जीत दर्ज की। सर्विसेज ने पहले दो सेटों में अपना दबदबा बनाते हुए 25-20 और 25-22 से जीत हासिल की। हालांकि, केरला ने तीसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए 25-19 से जीत दर्ज की। चौथे सेट में जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला और सर्विसेज ने इसे 28-26 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

कांस्य पदक के मुकाबले में तमिलनाडु ने उत्तराखंड को 3-0 से हराया। तमिलनाडु ने 25-22, 25-16 और 25-20 के स्कोर के साथ तीनों सेट जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग

महिलाओं के फाइनल में केरल और तमिलनाडु के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। केरल ने पहला सेट 25-19 से जीता, लेकिन तमिलनाडु ने वापसी करते हुए अगले दो सेट 25-22, 25-22 से जीतकर बढ़त बना ली। केरल ने चौथे सेट में अविश्वसनीय वापसी करते हुए 25-14 से शानदार जीत हासिल की और पांचवें सेट को निर्णायक रूप से अपने नाम किया। इसके बाद केरल ने अंतिम सेट में 15-7 से जीत हासिल कर मैच 3-2 से अपने नाम कर स्वर्ण हासिल किया। महिलाओं के कांस्य पदक मैच में, राजस्थान ने चंडीगढ़ को 3-0 से हराया। मैच में राजस्थान का दबदबा रहा और उसने तीनों सेट 25-18, 25-15 और 25-20 से जीतकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इस प्रकार, 38वें राष्ट्रीय खेलों की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में, सर्विसेज ने पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में केरल चैंपियन बनकर उभरा।

राष्ट्रीय खेल : महिला फुटबॉल में हरियाणा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और दिल्ली का दबदबा

- पश्चिम बंगाल और दिल्ली की प्रभावी शुरूआत
- हरियाणा की धमाकेदार जीत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
हल्द्वानी

राष्ट्रीय खेल 2024 के तहत रविवार को महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां टीमें अपने-अपने पूल में दबदबा बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। शुरूआती मुकाबलों में हरियाणा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और दिल्ली ने जीत दर्ज कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

पूल ए के तहत खेले गए मुकाबले में हरियाणा ने तमिलनाडु के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए 7-0 की शानदार जीत दर्ज की। टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और विरोधियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इसी पूल के एक अन्य मुकाबले में ओडिशा ने सिक्किम को 5-1 से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

पूल बी के मुकाबलों में पश्चिम बंगाल ने मेजबान उत्तराखंड को 2-0 से हराया। पूरे खेल के दौरान पश्चिम बंगाल की टीम ने नियंत्रण बनाए रखा और अपने विरोधी को हावी होने का मौका नहीं दिया। दूसरी ओर, दिल्ली ने एक कड़े मुकाबले में मणिपुर को 2-1 से मात देकर शानदार शुरूआत की। हल्द्वानी में जारी इस हाई-एनर्जी टूर्नामेंट में टीमें अगले दौर में जगह सुरक्षित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ेगी, रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी रहेगा।

राष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा हेरफेर के आरोप, ताइक्वांडो के प्रतियोगिता निदेशक बदले

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में ताइक्वांडो प्रतिस्पर्धा में अनियमितताओं की शिकायतों के बाद बड़ा फैसला लिया गया है। गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी (जीटीसीसी) ने मनीपुलेशन ऑफ कंपटीशन कमेटी (पीएमसी) की सिफारिशों के आधार पर टी. प्रवीण कुमार को हटाकर एस. दिनेश कुमार को नया प्रतियोगिता निदेशक नियुक्त किया है। जीटीसीसी अध्यक्ष सुनैना कुमारी ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा कि तीन सदस्यीय पीएमसी पैनल की सिफारिशों को स्वीकार करना खेल की अखंडता बनाए रखने के लिए आवश्यक था। पीएमसी समिति ने अपनी जांच में पाया कि पूर्व प्रतियोगिता निदेशक ने कुछ राज्य संघों के पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ मिलकर चयन प्रक्रिया में हेरफेर किया था। इसके अलावा, उन्होंने एक उपकरण विक्रेता को खेल विशिष्ट स्वयंसेवकों के रूप में नामित किया था, जिससे खेल की निष्पक्षता पर सवाल उठे।

कबड्डी में उप्र की टीम ने जीता स्वर्ण, निदेशक व ओलंपिक संघ के महासचिव सहित खेल प्रेमियों ने दी बधाई

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

फोटोः हि.स.

उत्तर प्रदेश की पुरुष कबड्डी टीम ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में फुर्ती, रणनीति और शानदार टीमवर्क के सहारे बेहतरीन धमाल मचाते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के लिए दूसरा स्वर्ण योगासन में आर्टिस्टिक पुरुष एकल में प्रवीण कुमार पाठक ने जीता। इस सफलता पर उत्तर प्रदेश के खिखाड़ियों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने कहा कि इस समय शासन स्तर से खिलाड़ियों को मिल रहे प्रोत्साहन का असर दिख रहा है। आगे चलकर प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा में और अधिक निखार आएगा। उप्र के युवा वर्ग में खेल के प्रति उत्साह बढ़ा है। वहीं खेल निदेशक आर.पी. सिंह ने कहा कि उप्र में खिलाड़ियों में ऊर्जा बनी रहे। उनको किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ध्यान शासन स्तर से विशेष रूप से देखा जा रहा है। योगासन के आर्टिस्टिक महिला पेयर में आर्यांशी स्वामी व सिमरन की जोड़ी ने रजत पदक जीता। वहीं महिला टीम इवेंट में उत्तर प्रदेश की स्क्वाश टीम को कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने रविवार को 2 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य पदक जीते। इसी के साथ उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खेल में अब तक 6 स्वर्ण, 4 रजत व 5 कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक के साथ तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है। हरिद्वार में आयोजित कबड्डी के मुकाबलो में पुरुष कबड्डी के फाइनल में उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को रोमांचक मैच में 57-43 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ यूपी ने चंडीगढ़ से पूल मैच में मिली हार का बदला ले लिया। इससे पहले सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश ने सर्विसेजह्ण की बेहद मजबूत टीम को 43-42 से हराकर फाइनल में जगह बनायी थी। उत्तर प्रदेश की पुरुष कबड्डी टीम ने राष्ट्रीय खेल में दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले यूपी ने 36वें राष्ट्रीय खेल-2022 में स्वर्ण पदक जीता था। अल्मोड़ा में आयोजित योगासन की स्पर्धा में आर्टिस्टिक पुरुष एकल में उत्तर प्रदेश के प्रवीण कुमार पाठक ने 118.91 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। इस वर्ग में महाराष्ट्र के रूपेश मोगशाली संगे (117.88 अंक) को रजत व छत्तीसगढ़ के प्रकाश कुमार (117.25 अंक) को कांस्य पदक मिला। योगासन के आर्टिस्टिक महिला पेयर में यूपी की आर्यांशी स्वामी व सिमरन ने कांटे के मुकाबले में 102.57 अंक हासिल करते हुए रजत पदक जीता।

टाटा स्टील मास्टर्स 2025ः प्रज्ञानानंद ने टाईब्रेक में गुकेश को हराकर खिताब जीता

एजेंसी (हि.स.)
विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)

फोटोः हि.स.

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स 2025 का खिताब जीत लिया। उन्होंने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाईब्रेक मुकाबले में हराकर यह गौरव हासिल किया। रविवार को खेले गए अंतिम (13वें) राउंड में प्रज्ञानानंद को जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन कीमर ने उन्हें पराजित कर दिया। इस बीच, गुकेश, अर्जुन एरिगैसी से हार गए, जिससे खिताबी मुकाबला टाईब्रेक में चला गया। टाईब्रेक के पहले गेम में गुकेश ने शानदार खेल दिखाया और प्रज्ञानानंद की गलती का फायदा उठाकर जीत दर्ज की। दूसरे गेम में प्रज्ञानानंद ने ट्रॉम्पोव्स्की ओपनिंग का उपयोग किया और गुकेश की त्रुटि का लाभ उठाते हुए मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सडन डेथ मुकाबला हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने सफेद मोहरों से खेलते हुए धैर्यपूर्वक खेल दिखाया। एक समय गुकेश ने बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंतिम क्षणों में की गई गलतियों के कारण वे हार गए और प्रज्ञानानंद ने अपना पहला टाटा स्टील मास्टर्स खिताब जीत लिया।

गुकेश के लिए यह लगातार दूसरा वर्ष था जब वे पहले स्थान पर रहे लेकिन टाईब्रेकर में हार गए। पिछले साल वे चीन के वेई यी से पराजित हुए थे। चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन ने अजरबैजान के आयडिन सुलेमानली को मामूली बेहतर टाईब्रेक स्कोर के आधार पर हराकर चैलेंजर्स सेक्शन जीता। इस जीत के साथ उन्होंने 2026 के मास्टर्स इवेंट में जगह बना ली। आर. वैशाली ने 6.0/13 स्कोर के साथ नौवां स्थान प्राप्त किया, जबकि दिव्या देशमुख 3.5/13 अंकों के साथ 14 खिलाड़ियों में दूसरे-अंतिम स्थान पर रहीं।

फरवरी के महीने में घर पर ही कर सकते हैं इन सब्जियों की बुवाई

सर्दी का मौसम अब ढलने वाला है, इसलिए पौधों पर शीतलहर का कम प्रभाव पडेगा। ऐसे में अगर आप को बागवानी या किचन गार्डनिंग करना पसंद करते हैं, तो आपको फरवरी के सुहाने मौसम में अपने घर पर इन सब्जियों को लगाना चाहिए। असल में जायद के मौसम में खेती के लिए मूंग, उड़द,चना,सूरजमुखी,मक्का,धान,हरा चारा, साग-सब्जी तथा हरी खाद की फसलें बोई जाती है। यह मौसम साग-सब्जी के अनुकूल होता है। इसलिए आप चाहें, तो जायद के मौसम में पालक, मेथी, हरी मिर्च, टमाटर, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी कई सब्जियों की रोपाई और बुवाई कर सकते हैं।

फरवरी महीने में घर पर उगाने वाली सबसे पसंदीदा सब्जियां

1. पालकः

पालक एक पौष्टिक सब्जी है, जो सर्दियों में अच्छी तरह से उगती है। इसके बीजों से लगाया जा सकता है और इसकी फसल 4-6 सप्ताह में तैयार हो जाती है। पालक के लिए बलुई या दोमट मिट्टी काफी अच्छा माना जाता है। ध्यान रहें बोते समय गमले में मिट्टी को अच्छे से भुरभुरा कर लें। पालक के बीज को कम से कम 2 से 3 सेंटीमीटर की गहराई पर ही बोएं, इससे ज्यादा गहराई में बोने से बीज नष्ट हो सकता है।

2. मेथीः

मेथी एक और पौष्टिक सब्जी है जो सर्दियों में लगाने के लिए काफी बेहतर सब्जी मानी जाती है। इसके बीजों से लगाया जा सकता है और इसकी फसल कम से कम 6 से 8 सप्ताह में तैयार हो जाती है। इसके लिए आप पौधों में निराई और गुड़ाई कर सकते हैं।

3. लौकीः

लौकी तेजी से उगने वाली सब्जी में से एक माना जाता है। लौकी को बोने के लिए दोमट मिट्टी सबसे अच्छी साबित हो सकती है। लौकी को बोने के लिए बीज की जरूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रख लेना चाहिए। करेले की तरह लौकी को भी बोने से बीजों का अंकुरण जल्दी आता है।

लौकी के बीजों के लिए कम से कम 2 से 3 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गर्मी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासल पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं। इससे आप अपने गमले या गार्डन की शोभा भी बढ़ा सकते हैं।

4. पुदीनाः

पुदीना एक ताजा और सुगंधित जड़ी बूटी माना जाता है, जो घर पर आसानी से उगाई जा सकती है। इसे कटिंग से उगाया जा सकता है और इसकी फसल कम से कम 4 से 6 सप्ताह में तैयार हो जाती है।

5. हरी मिर्चः

हरी मिर्च एक ऐसी सब्जी है, जो घर पर पकने वाले सभी पकवान में इस्तेमाल किया जाता है और इसे आसानी से उगाई जा सकती है। इसके बीजों से उगाया जा सकता है और इसकी फसल 3 से 4 महीने में तैयार हो जाती है।

6. टमाटरः

टमाटर एक लोकप्रिय सब्जी है, जो घर पर आसानी से उगाई जा सकती है। इसके बीजों से उगाया जा सकता है और इसकी फसल 2 से 3 महीने में तैयार हो जाती है।

7. भिंडीः

भिंडी काफी पसंदीदा सब्जी में से एक मानी जाती है, जो घर पर आसानी से उगाई जा सकती है। इसके बीजों से उगाया जा सकता है और इसकी फसल 2-3 महीने में तैयार हो जाती है। भिंडी को लगाने का सबसे बेहतर समय फरवरी और मार्च माना जाता है। इसे आप किसी भी किस्म की मिट्टी में तैयार कर सकते हैं।

अगर इसकी बुवाई किसी बड़े घनत्व वाले बर्तन में या जमीन में कर रहे हों, तो 15-20 सेंटीमीटर की दूरी पर एक कतार में बोएं। इसकी बुवाई के 15 से 20 दिन के बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। इससे पौधों के बीच अनावश्यक उगने वाले खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है। आप चाहें तो इसमें खाद भी डाल सकते हैं।

फोटोः हि.स.

इन स्टेप्स से आपको फरवरी में घर पर सब्जियां उगाने में मदद मिलेगी

फोटोः हि.स.

- कोशिश करें, इसके लिए उचित स्थान चुनें। इसलिए आप सब्जियों को धूप वाली जगह पर उगाएं।
- अपनी सब्जियों को अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में उगाएं।
- सब्जियों को नियमित तौर पर पानी दें, खासकर जैसे जैसे गर्मी बढ़ रही है इन दिनों में पानी की मात्रा बढ़ा दें।
- आप सब्जियों को नियमित तौर पर खाद डालें, ताकि वे अच्छी तरह से विकसित हो सकें।
- सब्जियों को कीटों और रोगों से बचाने के लिए उचित उपाय के तौर पर कीटनाशक का इस्तेमाल करें।
- मल्चिंग मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवारों को नियंत्रित करने में मदद करता है।
- इन सब्जियों को भी आप फरवरी में घर पर उगा सकते हैंः
- गाजर, मूली, चुकंदर, शलजम, ब्रोकली, फूलगोभी, प्याज और लहसुन आदि हैं।
- इन सब्जियों को उगाने के लिए आपको कुछ बुनियादी सामग्री की जरूरत होगीः
- अच्छे किस्म की बीज
- जैविक से मिश्रित मिट्टी
- अपने अनुसार गमला चुनें
- खाद और पानी
- पौधों के हिसाब से कीटनाशक
- आप इन उपकरणों को अपने स्थानीय नर्सरी या ऑनलाइन स्टोर से खरीद सकते हैं। अगर आप इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो आप फरवरी में बोई गई जायद की फसलों से अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते हैं।

'यूनाइटेड बाय यूनिक' थीम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

राज्य स्तरीय दो दिवसीय प्रशामक देखभाल कार्यशाला के शुभारंभ के मौके पर महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग डॉ मनीष बंसल ने बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

आज हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कार्यशाला व प्रशिक्षण शिविर में मुख्यातिथि के रूप में करेगी शिरकत

सिटी दर्पण

पंचकूला

राज्यस्तरीय दो दिवसीय पैलेटिव कार्यशाला और प्रशिक्षण शिविर का आज लोक निर्माण विभाग सैक्टर 1 के ओडिटोरियम में महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग डॉ मनीष बसंल ने दीप प्रज्जवलित करके शुभारंभ किया। मनीष बंसल ने कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

डीजीएचएस ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सा अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को घर-आधारित और परिधीय (पेरिफेरल) स्तर पर प्रशामक देखभाल की ट्रेनिंग देना है, जिससे वे कैंसर, गुर्दे की बीमारी, हृदय रोग, स्ट्रोक, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर, पुराने घाव और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों की उचित देखभाल कर सकें। उन्होने बताया कि यह कार्यशाला व प्रशिक्षण शिविर इस वर्ष की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक के अनुरूप है। यह थीम कैंसर देखभाल और प्रशामक प्रबंधन में सामूहिक प्रयासों के महत्व को दशार्ती है। 4 फरवरी को हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेगी। बंसल ने बताया कि प्रशामक देखभाल एक विशेष चिकित्सा पद्धति है जो गंभीर और जीवन-सीमा वाली बीमारियों से पीड़ित मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर केंद्रित होती है। यह न केवल शारीरिक लक्षणों (जैसे दर्द और थकान) को दूर करने में मदद करती है बल्कि मरीजों और उनके परिवारों को भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक सहायता भी प्रदान करती है। उन्होने बताया कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास के बावजूद, कई मरीज गंभीर बीमारियों के कारण लंबे समय तक दर्द और तकलीफ झेलते हैं। इसी कारण दुनिया भर में विभिन्न देश प्रशामक देखभाल को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल कर रहे हैं, ताकि मरीजों को गरिमा पूर्ण और दर्द-मुक्त जीवन मिल सके।

कार्यशाला में डीजीएचएस (पी) डॉ. कुलदीप सिंह सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, डायरेक्टर डॉ. कुलदीप गौरी और सिविल सर्जन पंचकूला डॉ. मुक्ता कुमार भी गणमान्य अतिथियों के रूप में शामिल हुए। डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज ने राष्ट्रीय प्रशामक देखभाल कार्यक्रम (एनपीपीसी) के महत्व पर प्रकाश डाला, जो मरीजों और उनके देखभालकताओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्यरत है।

दो दिवसीय पैलेटिव कार्यशाला और प्रशिक्षण शिविर में डॉ. कुलदीप सिंह, डीजीएचएस (पी) ने रोगी के उपचार के साथ करुणा के एकीकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एनपीएनसीडी कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए राज्य द्वारा की जा रही पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा लोगों को आगे आने और अपने दैनिक सेवा में उपशामक देखभाल को एकीकृत करने के लिए स्वयंसेवक बनने के लिए प्रेरित किया।

सिविल सर्जन डॉ. मुक्ता कुमार, जो कि बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) और पंचकूला अस्पताल में बाल रोग विभाग की प्रमुख हैं, ने बाल रोगियों में प्रशामक देखभाल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि सहानुभूति (एम्पैथी) और ईमानदार संवाद माता-पिता और परिवारों को इस कठिन समय में संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 120 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए। इनमें चिकित्सा अधिकारी, फील्ड स्टाफ और स्वास्थ्य प्रदाता शामिल हैं, जो घर और समुदाय स्तर पर प्रशामक देखभाल सेवाएं प्रदान करते हैं। कार्यशाला में एआईआईएमएस दिल्ली, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, जीएमसीएच चंडीगढ़ और सिविल अस्पताल पंचकूला के विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्र लिए। विशेषज्ञों ने प्रशामक देखभाल, ऑन्कोलॉजी, दर्द प्रबंधन और समग्र (होलिस्टिक) रोगी सहायता के विषयों पर चर्चा की।

इस कार्यक्रम के तहत

- मरीजों को मॉर्फिन और पेन पैच जैसी दर्द निवारक दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं।
- मरीजों और उनके परिवारों को भावनात्मक और मानसिक सहायता प्रदान की जाती है।
- स्वास्थ्यकर्मियों को होम विजिट की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे अस्पताल जाने की आवश्यकता कम हो।
- मरीजों को अस्पताल के बजाय अपने परिवार के बीच अधिक समय बिताने का अवसर मिलता है।

पंचकूला प्रशामक देखभाल में अग्रणी जिला

पिछले कुछ वर्षों में पंचकूला कैंसर रोगियों के लिए प्रशामक देखभाल में अग्रणी जिला रहा है। यहां एक समर्पित प्रशामक देखभाल वार्ड स्थापित किया गया है, जिससे सैकड़ों मरीजों को लाभ मिला है। इसके अतिरिक्त, पंचकूला जिला अस्पताल में मुफ्त में कीमोथेरेपी दी जाती है और जरूरतमंद मरीजों के लिए मॉर्फिन एवं दर्द निवारक पैच भी उपलब्ध कराए जाते हैं। इससे मरीजों की तकलीफें कम होती हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार आता है।

प्रमुख विषय

- टर्मिनली इल मरीजों में दर्द और लक्षण प्रबंधन
- मरीजों और परिवारों के लिए मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक सहयोग
- प्रशामक देखभाल में नैतिक मुद्दे
- होम-बेस्ड प्रशामक देखभाल और परिधीय प्रबंधन के सर्वोत्तम अभ्यास
- प्रशामक देखभाल में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की भूमिका

इस वर्ष, सिविल अस्पताल पंचकूला की ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सुलभा मित्तल आर्या, सर्जन डॉ. निखिल बचाचेस और स्टाफ नर्स महक ने एम्स, नई दिल्ली और जीएमसीएच, चंडीगढ़ में प्रशामक देखभाल में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनका मार्गदर्शन डॉ. सुषमा भटनागर (उत्तर भारत में प्रशामक देखभाल की अग्रणी विशेषज्ञ) और डॉ. वनीता आहूजा (जीएमसीएच, चंडीगढ़) ने किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, ये विशेषज्ञ हरियाणा के विभिन्न जिलों में फील्ड स्टाफ को ट्रेनिंग दे रहे हैं ताकि राज्य में होम-बेस्ड प्रशामक देखभाल सेवाओं को मजबूत किया जा सके।

कार्यशाला का उद्देश्य

यह राज्य स्तरीय कार्यशाला चिकित्सा कर्मियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस पहल से हरियाणा में प्रशामक देखभाल सेवाओं को और अधिक मजबूती मिलेगी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने एस.आई. को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा

सिटी दर्पण

पंचकूला

ए.सी.बी. की करनाल टीम ने दिनांक 3.2.2025 को आरोपी एस.आई. राजकुमार (तफतीशी अधिकारी), थाना बरोदा, जिला सोनीपत को 20000/-रू0 बतौर रिश्वत राशी के साथ रंगे हाथो गिरफतार किया। शिकायतकर्ता राजेन्द्र निवासी गांव भावड तहसील गोहाना, जिला सोनीपत ने ए.सी.बी. करनाल को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया गया कि दिनांक 28.9.2024 को उसकी भांजी उसके गांव भावड में आई हुई थी। उसकी भांजी के साथ गांव के आतीश नाम के लडके द्वारा छेडछाड की गई जिसको लेकर दिनांक 30.9.2024 को उसके भाईयो व आतीश के परिवार के सदस्यों की बीच झगडा हो गया था। जिस पर उसके भाई जोगेन्द्र व विनोद व उसके भतीजे सौरभ व रमन के विरूद्व मुकदमा दर्ज है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके द्वारा भी उसकी भांजी से छेडछाड के सम्बन्ध में मुकदमा न. 352/2024, धारा 115, 3(5), 333, 351(2) बी.एन.एस. 2023 व धारा 8 पोक्सो अधिनियम के तहत दर्ज करवाया हुआ है। इस मुकदमा में अभी तक कोई गिरफतार नही हुआ है। इन दोनो मुकदमा की तफतीश उपरोक्त आरोपी एस.आई. राजकुमार द्वारा की जा रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उपरोक्त आरोपी एस.आई. राजकुमार (तफतीशी अधिकारी), थाना बरौदा, जिला सोनीपत द्वारा उसकी शिकातयकर्ता से उसके भाई व भजीजो की जमानत करवाने व उसके द्वारा भांजी छोडछाड मामले में आरोपियों की गिरफतार करने की एवज में 20,000/-रू0 बतौर रिश्वत की मांग की जा रही है।

एसडी कॉलेज में प्रेजेंटेशन कॉन्टेस्ट-2025 आयोजित

एआई में उभरते रुझान पर डाला प्रकाश

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस विभाग की ओर से सोमवार को विभाग में 'प्रेजेंटेशन कॉन्टेस्ट-2025' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने एआई में उभरते रुझान विषय पर प्रकाश डाला, और छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नवीनतम प्रगति के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को एआई के उभरते परिदृश्य पर अपने शोध, विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करके उनके बीच नवाचार और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देना था। फैकल्टी मेंबर्स के निर्णायकों के एक पैनल ने सामग्री, प्रस्तुतिकरण, मौलिकता और तकनीकी गहराई के आधार पर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। इस कार्यक्रम में कुल 30 छात्रों ने भाग लिया और विजेताओं को नकद पुरस्कार दिया गया। बी.सी.ए. के (प्रथम) वर्ष की दीपशिखा को पहला, बी.सी.ए के दूसरे वर्ष के नमन और शुभम मेहता को दूसरा और बीएससी के तीसरे वर्ष की गुंजन को तीसरा पुरस्कार मिला।

जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी और सोसाइटी के भविष्य को आकार दे रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को एआई रुझानों और नवाचारों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करना न केवल उनके तकनीकी ज्ञान को बढ़ाएगा बल्कि उन्हें डिजिटल युग की चुनौतियों के लिए भी तैयार करेगा। पीजी कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. (मेजर) वीरेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रतियोगिता छात्रों के लिए अत्याधुनिक तकनीक से जुड़ने का एक उत्कृष्ट अवसर है। एआई विकास और उनके प्रस्तुति कौशल को निखारने में मदद मिलेगी।

पीएम-उषा योजना के तहत लर्निंग का न्यूरोसाइंस विषय पर लेक्चर आयोजित

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के साइकोलॉजी विभाग की ओर से सोमवार को कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में पीएम-उषा योजना के तहत लर्निंग का न्यूरोसाइंस विषय पर एक आमंत्रित लेक्चर का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता, डॉ. विकास भठेजा, जो एक प्रसिद्ध सीनियर कंसलटेंट, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट और आरसीआई-पंजीकृत काउंसलर हैं, ने अपने विशेषज्ञ विश्लेषण से श्रोताओं को बताया मस्तिष्क किस प्रकार सूचना को संसाधित करता है और बनाए रखता है। उन्होंने न्यूरोप्लास्टिसिटी की भूमिका और संज्ञानात्मक दक्षता और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सीखने के सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों ने न केवल व्याख्यान की गहराई और स्पष्टता की सराहना की, बल्कि सीखने के पीछे न्यूरोसाइंस को समझने के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए साइकोलॉजी विभाग की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. तरुणदीप (संयोजक) और डॉ. जतिंदर कौर (आयोजन सचिव) के समर्पित नेतृत्व और कार्यक्रम के निर्बाध क्रियान्वयन के प्रयासों की सराहना की।

संक्षिप्त-समाचार

इंद्रधनुष में पोश और पॉक्सो अधिनियम को लेकर राज्य स्तरीय कानूनी जागरुकता कार्यक्रम कल

पंचकूला। हरियाणा राज्य महिला आयोग द्वारा 5 फरवरी को इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में पोश अधिनियम और पॉक्सो अधिनियम को लेकर राज्य स्तरीय कानूनी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेणु भाटिया ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तरीय कानूनी जागरुकता कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर के अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा की मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी भाग लेंगी। कानूनी जागरुकता कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी भी मौजूद रहेंगी।

एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनी लोगों की समस्याए

पंचकूला। एसडीएम चंद्रकांत कटारिया ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में जिला के 4 लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगराधीश विश्वनाथ भी उपस्थित थे। कटारिया ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस को जिला में प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जिला की जनता की समस्याओं का मौके पर व जल्द से जल्द समाधान करना हैं। एसडीएम ने अधिकारियों को कहा कि हम सभी यहां जिलावासियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकत्रित हुए है। उन्होने निर्देश दिए कि जिले की जनता को बार बार अपने कार्यो के लिए चक्कर न काटने पडें। उन्होंने सभी अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए। चंद्रकांत कटारियां ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण करवाने की अपील की। इस अवसर पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, राजस्व विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, बाल कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मत्सय विभाग, पुलिस विभाग, माईनिंग, पीडब्लयूडी बीएंड आर, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, यूएचबीवीएन, नगर निगम कालका व पंचकूला के अधिकारी मौजूद रहे।

अपर्णा भारद्वाज ने किया सरकारी अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण

पंचकूला। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) अपर्णा भारद्वाज ने सरकारी अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया, ताकि केंद्र की स्थिति और कार्यप्रणाली का आकलन किया जा सके। अपने दौरे के दौरान सुश्री भारद्वाज ने केंद्र की समग्र साफ-सफाई की जांच की और पाया कि यह असंतोषजनक है। उन्होंने अस्वच्छ स्थितियों पर चिंता व्यक्त की, तथा इस तरह के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र में उचित सफाई और रखरखाव की आवश्यकता पर बल दिया। सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ी चूक पाई गई, क्योंकि कोई भी सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर नहीं पाया गया। सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सुश्री भारद्वाज ने अस्पताल प्रशासन को केंद्र में चौबीसों घंटे सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसी भी अनधिकृत आवाजाही को रोकने और रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने फरार रोगियों के रिकॉर्ड के बारे में पूछताछ की, लेकिन कर्मचारी कोई ठोस जानकारी देने में विफल रहे।

युवसत्ता ने चंडीगढ़ प्रशासन के पर्यावरण विभाग के सहयोग से किया माइग्रेटरी बर्ड वॉचिंग विजिट का आयोजन

विश्व वेटलैंड दिवस पर विद्यार्थियों ने सुखना लेक पर दूरबीन से देखे माइग्रेटरी बर्ड्स

सिटी दर्पण

चंडीगढ़

विश्व वेटलैंड दिवस को मनाते हुए सोमवार को यूटी प्रशासन के मुख्य वन संरक्षक और पर्यावरण विभाग, चंडीगढ़ के एचओडी टीसी नौटियाल ने सुखना लेक के रेगुलेटर एंड से स्कूली बच्चों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले 'माइग्रेटरी बर्ड वॉचिंग विजिट्स' का शुभारंभ किया। पहले दिन गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल, आरसी-क्क धनास और पोस्टग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर 11, चंडीगढ़ के इको क्लब से 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन शहर के गैर सरकारी संगठन युवसत्ता द्वारा चंडीगढ़ प्रशासन के पर्यावरण विभाग के सहयोग से किया गया था।

अपने स्वागत भाषण में पर्यावरणविद् कुभूषण कंवर ने बताया कि इस वर्ष सुखना लेक पर जिन माइग्रेटरी बर्ड्स का आगमन हो चुका है, उनमें कॉमन पोचार्ड, रूडी शेल्डक, कॉमन कूट, ग्रेटर कॉमोरेंट, पर्पल हेरोन, ओरिएंटल पाइड हॉर्नबिल, पिंटेल, पर्पल मूरहेन, टार्टर आदि शामिल हैं। उनकी उड़ान के दिलचस्प पैटर्न को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे रोलरकोस्टर की तरह वी-आकार में उड़ते हैं और हिमालय को पार करते हुए अपने लीडर्स को बदलते रहते हैं। युवा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए टी.सी. नौटियाल ने बताया कि हर साल सर्दियों की शुरूआत के साथ ही सैकड़ों माइग्रेटरी बर्ड्स दूर-दूर से सुखना लेक और अभयारण्य के अन्य वॉटर बॉडीज की ओर आते हैं।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ कई माइग्रेटरी बर्ड्स के उड़ान पथ पर स्थित है, जो हिमालय और यहां तक कि मध्य एशिया, साइबेरिया, यूरोप, चीन और जापान जैसे दूरदराज के स्थानों से उड़ान भरते हैं। ये माइग्रेटरी बर्ड्स नवंबर की शुरूआत में यहां पहुंचना शुरू कर देते हैं और मार्च तक इन्हें देखा जा सकता है। और यहां सुरक्षित रहने और खुशहाली के लिए, सुखना वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी क्षेत्र की ओर का शैलो वॉटर और वीड्स एक वरदान के समान हैं। कम से कम पक्षियों के लिए तो यह एक अच्छा आवास है।

इस अवसर पर युवसत्ता के संस्थापक प्रमोद शर्मा ने माइग्रेटरी बर्ड्स पर एक ग्रीन-क्विज भी आयोजित किया जिसमें पांच विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा महात्मा गांधी की आत्मकथाएँ देकर सम्मानित किया गया। इन विजेताओं में पोस्टग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर 11 की इशिता और गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल, आरसी-क्क धनास के आतिफ रजा, दीपिका, प्रिंस, राधिका शामिल हैं। इस अवसर पर भाग लेने वाले प्रमुख व्यक्तियों में गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल, आरसी-क्क धनास के हेडमास्टर कृष्ण मोहन और पोस्टग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर 11, चंडीगढ़ की डॉ. सिमरजीत कौर और प्रोफेसर पारूल शामिल थे।

एसडीएम द्वारा 68वें नेशनल स्कूल गेम प्रतियोगिता के अंडर-17 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

सिटी दर्पण

पंचकूला

एसडीएम चंद्रकांत कटारिया ने कहा कि खेल व्यक्ति की शख्सियत का निर्माण करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अधिक से अधिक खेलों, संस्थानों में करवाए जाने वाले शैक्षणिक मुकाबलों और अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। एसडीएम ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए खेल भावना से खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया एसडीएम चंद्रकांत कटारिया स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की तरफ 68वें नेशनल स्कूल गेम प्रतियोगिता के अंडर-17 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का सतलुज पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 में उद्घाटन के लिए बतौर मुख्यातिथि पहुंचे थे। मुख्यातिथि ने 25 टीमों द्वारा निकाले गए परेड मार्च की सलामी ली। सेक्टर-19 स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक ने बताया कि जिला पंचकूला को 68वें नेशनल स्कूल गेम प्रतियागिता के अंडर-17 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करने का मौका मिला है। इसमें देशभर के अलग-अलग राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों व बोर्ड संस्थानों की 25 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस मौके पर एसजीएफआई आब्जर्वर एवं उप-निदेशक सुनील भारद्वाज, जिला खेल अधिकारी नील कमल, सतलुज पब्लिक स्कूल के सीईओ कृत सराय, खंड शिक्षा अधिकारी डा. अनूप, जोगिन्द्र, सीमा और सुमन, एईओ दयानन्द, विपुल शर्मा, राष्ट्रीय टूर्नामेंट तकनीकी समिति के सदस्य ओम प्रकाश, अमरजीत कुमार, विपुल शर्मा, कोच मुकेश कुमार, कोच शुभकरन सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

समारोह

कांस्टेबल पवन सिंह, अमन नेगी, ताशी नांगयाल भूटिया तथा मुस्मान अप्पा को किया सम्मानित

490वें दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह में 80 हिमवीरांगनाओं सहित 650 हिमवीर हुए मुख्यधारा में शामिल

संस्थान ने कठोर मेहनत, शारीरिक क्षमता, कई विधाओं में दिया ज्ञान

सिटी दर्पण

पंचकूला

आईटीबीपी के महानिदेशक राहुल रसगोत्रा ने कहा कि आईटीबीपी जैसे अनुशासित बल में रहकर देश की सेवा करना गौरवशाली है। इस संस्थान में कठोर मेहनत, शारीरिक क्षमता के अतिरिक्त अनेक विधाओं में ज्ञान अर्जित किया है। यह पूरे सेवा काल में पग-पग पर मार्गदर्शन करेगा ओर साथ ही ड्यूटि के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने में भी मदद करेगा। महानिदेशक राहुल रसगोत्रा प्रशिक्षण केन्द्र भानू में आयोजित 490वें दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने 650 हिम वीर एवं हिमवीरांगनाओं को पुलिस बल में शामिल होने की शपथ दिलवाई।

महानिदेशक ने कहा कि बल में सीखे हुए ज्ञान को आगे बढ़ाते हुए अपने जीवन में और अधिक सीखने के प्रयास के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए बल प्रमुख ने कहा कि आप सभी बहुत भाग्यशाली हैं। उन्होंने बी०टी०सी० के प्रशिक्षकों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये उन्हें भी बधाई देते हुए कहा की इन हिमवीर, हिमवीरांगनाओं के बल में शामिल होने से सीमा बल और अधिक सशक्त होगा। प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल भानु (पंचकूला) हरियाणा में 490वें जीडी पुरुष व महिला बैच के 650 हिमवीर, हिमवीरांगनाओं का दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह परेड का आयोजन हुआ जिसके उपरांत ये सभी प्रशिक्षणार्थी बल की मुख्यधारा से जुड़े। इनके प्रशिक्षण की अवधि 44 सप्ताह थी, जिसको 26 फरवरी 2024 से शुरू किया गया था।

कोर्स के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को हथियार चलाना, युद्ध कौशल, मैप रीडिंग, आत्मरक्षा, आतंक विरोधी अभियान तथा आंतरिक सुरक्षा के बारे में गहन प्रशिक्षण दिया गया है। इस बैच में 24 राज्य, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशिक्षणार्थियों, जिसमें अरुणाचल प्रदेश से 211, सिक्किम से 161, लद्दाख से 57, राजस्थान से 46, हिमाचल प्रदेश से 36, उत्तर प्रदेश से 29, उत्तराखंड से 24, हरियाणा से 22, बिहार व असम से 11-11, आंध्र प्रदेश से 6, मध्य प्रदेश से 5, जम्मू व कश्मीर व पंजाब से 4-4, झारखंड, महाराष्ट्र, छतीसगढ़, मणिपुर, पश्चिम बंगाल से 3-3, दिल्ली, मेघालय से 2-2, केरल व गुजरात से 1-1 सहित कुल 650 हिमवीर, हिमवीरांगनाएं ने दीक्षांत समारोह में शपथ ग्रहण की।

भव्य परेड के दौरान इन नव-आरक्षियों और प्रशिक्षणार्थियों ने राष्ट्र ध्वज एवं बल निशान के तले अपने-अपने धर्म ग्रन्थों को साक्षी मानकर शपथ ली। पी०एम०जी०, महानिरीक्षक, प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र भानू अशोक कुमार नेगी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ का० पवन सिंह, का० अमन नेगी, का० ताशी नांगयाल भूटिया तथा का० मुस्मान अप्पा को ट्राफी किया सम्मानित। ब्रिगेडियर जी० एस० गिल, उपमहानिरीक्षक द्वारा धन्यवाद करते हुए मुख्यातिथि, प्रशिक्षणार्थियों के परिजनों, बल के सेवानिवृत पदाधिकारियों एवं इस समारोह के साक्षी बने सभी जनों का आभार व्यक्त किया।

परेड के बाद पाइप बैंड द्वारा मधुर धुनो को प्रस्तुत किया गया।

आईटीबीपी का यह बैंड राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में विजेता रहा है। हिमवीर एवं हिमवीरांगनाओं द्वारा पी टी, वन मिनट ड्रिल, टेंटिल स्ट्रेंथ एण्ड कंडीशनिंग का प्रदर्शन किए गया जिससे दर्शक दीर्घा में बैठे गणमान्य अतिथियों में जोश की लहर एवं उत्साह का संचार हुआ तथा बल के साहसिक एवं हैरत अंगेज कार्यों से रूबरू होकर आश्चर्य चकित हुए। बीटीसी के सुसज्जित प्रांगण में भव्य समारोह के अवसर पर ब्रिगेडियर. एस. गिल, एडीजी एस के चैधरी, उपमहानिरीक्षक, डॉ० टेक चंद, उपमहानिरीक्षक (वेट) तथा सुनील कांडपाल, सेनानी (प्रशिक्षण), नव-आरक्षियों के अभिभावक, अधीनस्थ अधिकारी तथा अन्य पदाधिकारी एवं अन्य कोर्सों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह के उपरांत मुख्य अतिथि ने समारोह में आए प्रशिक्षणार्थियों व उनके अभिभावकों के साथ चर्चा में अनुभवों को साझा किया।